RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

पेज 7 फिल्में हैं पहला प्यार लव लाइफ..

वर्ष : 27 | अंक : 73 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, मंगलवार, 04 मार्च, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

‘मियां-तियां’ या ‘पाकिस्तानी’ कहना अपराध नहीं’

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने आज एक अहम फैसला सुनाते हुए कहा कि किसी को ‘मियां-तियां’ या ‘पाकिस्तानी’ कहना भले ही गलत हो, लेकिन धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने जैसा अपराध नहीं है।

जस्टिस बीवी नागरत्ना और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने एक सरकारी कर्मचारी को ‘पाकिस्तानी’ कहने के आरोपी व्यक्ति के खिलाफ मामला बंद करते हुए यह टिप्पणी की। यह शिकायत झारखंड के एक उर्दू अनुवादक और एक कार्यवाहक क्लर्क ने दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, जब वह सूचना के अधिकार (आरटीआई) आवेदन के बारे में जानकारी देने के लिए आरोपी से मिलने गया, तो आरोपी ने उसके धर्म का हवाला देकर उसके साथ दुर्व्यवहार किया और उसके आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन को रोकने के लिए आपराधिक बल का इस्तेमाल किया।

उप्र विधानसभा में ‘माननीय’ ने गुटखा खाकर थूका

विधानसभा अध्यक्ष ने जताई नाराजगी, विधायकों से बोले सुधर जाएं

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानसभा एक माननीय विधायक द्वारा गुटखा खाकर थूकने की तस्वीर सामने आई है। उत्तर प्रदेश में जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार बनी थी तब उन्होंने सभी सरकारी कार्यालयों में पान थूकने और गुटखा आदि खाकर आने पर पूरी तरह रोक लगाई थी। साथ ही उत्तर प्रदेश विधानसभा को अपग्रेड करते हुए जहां इसे पेपरलेस बनाया गया वहीं साफ-सफाई की खास व्यवस्था की गई। इसके बावजूद उत्तर प्रदेश के माननीय अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर माननीय के थूकने की ये हरकत चर्चा का विषय बनी हुई है।

उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने सदन में कुछ विधायकों द्वारा पान मसाला खाकर थूकने के मामले को गंभीरता से उठाया। उन्होंने इस मुद्दे पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि, यह सदन की प्रतिष्ठा के खिलाफ है और इस प्रकार की हरकतों को किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सतीश महाना ने बताया कि, उन्होंने खुद इस दाग को साफ करने की कोशिश की और इस मामले को लेकर अन्य विधायकों से आग्रह किया कि वे इस तरह की गतिविधियों को रोकने के लिए कदम उठाएं। इस पूरी घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है जिसमें थूक के धब्बे को साफ देखा जा सकता है।

विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश

महाना ने बताया कि आज सुबह मुझे सूचना मिली कि हमारे विधानसभा के इस हॉल में किसी सदस्य ने पान मसाला खाकर थूका है। इसलिए मैं यहां आया और उसे साफ करवाया। मैंने वीडियो में विधायक को देखा है। लेकिन मैं किसी व्यक्ति को अपमानित नहीं करना चाहता। इसलिए मैं उनका नाम नहीं ले रहा हूं। मैं सभी सदस्यों से आग्रह करता हूं कि अगर वे किसी को ऐसा करते हुए देखें तो उन्हें रोकें। इस विधानसभा को साफ रखना हमारी जिम्मेदारी है। अगर संबंधित विधायक आकर मुझसे कहें कि उन्होंने ऐसा किया है तो अच्छा होगा, नहीं तो मैं उन्हें बुलाऊंगा।

उन्होंने सदन में मौजूद सभी विधायकों से अपील की कि वे आगे आकर अपनी गलती स्वीकार करें, ताकि इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो। उनका कहना था कि यह सदन का वातावरण खराब कर सकता है और इसे सम्मानजनक तरीके से चलाने की जिम्मेदारी सभी विधायकों की है। सतीश महाना ने यह भी कहा कि, विधानसभा में इस तरह की अनुशासनहीनता को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे, ताकि सदन का माहौल गंभीर और सम्मानजनक बना रहे।

सीएम योगी आदित्यनाथ आ सकते हैं नोएडा

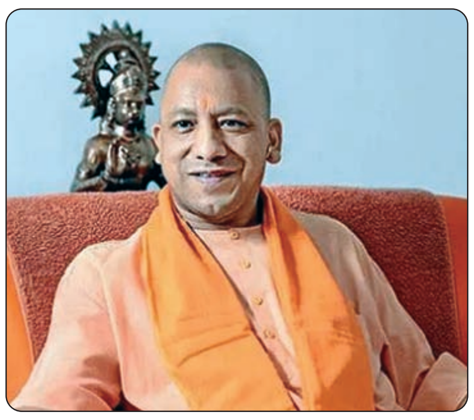

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का 8 मार्च को नोएडा और ग्रेनो में आने की संभावना है। इस दिन वह नोएडा में अलग-अलग कंपनियों का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि सेक्टर-145 एमएक्यू सॉफ्टवेयर कंपनी की इमारत बनकर तैयार है। मुख्यमंत्री इसका शुभारंभ करेंगे। सेक्टर-145 स्थित माइक्रोसॉफ्ट कंपनी के भूखंड का शिलान्यास भी करेंगे। सेक्टर-132 में सीपी कंपनी का डाटा सेंटर बनकर तैयार है। वह इसका भी लोकार्पण करेंगे। नोएडा के इन तीन कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री ग्रेटर नोएडा में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने जाएंगे।

प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री के आने का आधिकारिक रूप से कोई कार्यक्रम नहीं आया है, लेकिन उनके आने की संभावना जताई जा रही है। इसको देखते हुए तैयारी शुरू कर दी गई है। तीनों कार्यक्रम स्थल के पास सड़क की मरम्मत, साफ-सफाई, हरियाली समेत सभी जरूरी व्यवस्था शुरू कर दी गई है। नोएडा के चिल्ला, डीएनडी, लिंदी कुंज बॉर्डर और सेक्टर-62 मॉडल टाउन गोलचक्कर से एमपी टू एलिवेटेड रोड होते हुए नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रपेसवे के दोनों ओर सड़कों पर व्यवस्था को बेहतर बनाया जाएगा। (शेष पृष्ठ-3 पर)

विंडसर सोसायटी की बालकनी से गिरकर मुंबई के युवक की मौत

गाजियाबाद (ब्यूरो)। इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र के वैभव खंड स्थित विंडसर सोसायटी में मंगलवार सुबह प्रथम तल पर बालकनी से नीचे गिरकर एक युवक की मौत हो गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। स्वजन को सूचना दे दी गई है।

सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि मंगलवार सुबह 3.15 पर इंदिरापुरम कोतवाली पुलिस

को सूचना मिली कि वैभव खंड स्थित विंडसर सोसायटी में प्रथम तल की बालकनी से एक युवक नीचे गिर गया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवक को सोसायटी के गार्ड व सुपरवाइजर की मदद से संजय नगर स्थित जिला संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान अंधेरी मुंबई के शुभम शर्मा के रूप में हुई है। वह नोएडा सेक्टर-62 स्थित एक कंपनी में काम करता था और विंडसर सोसायटी के ए ब्लॉक रहता था।

पुलिस की जांच में नशे में बालकनी से गिरने की बात सामने आ रही है। सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव का कहना है कि स्वजन को सूचना दे दी गई है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

श्रीराम मंदिर पर हमले के खुलासे के बाद एटीएस की छापेमारी

लखनऊ (एजेंसी)। अयोध्या में श्री राम मंदिर को हैंड ग्रेनेड से उड़ाने के खुलासे के बाद उत्तर प्रदेश की एटीएस ने बड़ी कार्यवाही की है। आजमगढ़, मऊ और बलिया में यूपी एटीएस (उत्तर प्रदेश एंटी टेररिज्म स्क्वाड) की टीम ने कई ठिकानों पर छापेमारी की है। देर रात आज़मगढ़ में छापेमारी के बाद एटीएस की टीम बलिया रवाना हो गई और वहां भी कई संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, यूपी एटीएस पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी (PIO) के संपर्क में

एटीएस ने प्रदेश के कई जिलों में डाली रेड

रहने वाले लोगों की तलाश कर रही है।

आपको बता दें कि अयोध्या में राम मंदिर को हैंड ग्रेनेड से उड़ाने के मामले में पुलिस ने संदिग्ध अब्दुल रहमान को गिरफ्तार किया है। उससे की गई पूछताछ के बाद यूपी एटीएस ने प्रदेश के कई जिलों में छापेमारी की है। एटीएस ने लखनऊ के पुराने लखनऊ, कुर्सी रोड़, अयोध्या, गोंडा, सहारनपुर, मऊ व कानपुर में छापेमारी की है।

सूत्रों के मुताबिक पूछताछ में एटीएस को पता चला है कि पूर्वांचल के कई युवा पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी PIO के संपर्क में थे। एटीएस को पूछताछ में कुछ (शेष पृष्ठ-3 पर)

दुकानों के आवंटन के पहले ही आबकारी विभाग का लगा जैकपॉट

आवेदन के दौरान मिला डेढ़ सौ करोड रुपए का राजस्व

नोएडा (चेतना मंच)। दुकानों का आवंटन करने से पहले ही आबकारी विभाग के राजस्व का पैमाना छलक गया है। दुकानों के ऑन लाइन आवेदन के जरिए आबकारी विभाग को डेढ़ सौ करोड रुपए का राजस्व मिल गया। 6फरवरी को ई-लॉटरी के माध्यम से समूचे उत्तर प्रदेश में शराब की दुकानों के आवंटन के लिए अकेले जनपद गौतमबुद्धनगर में 501 दुकानों के लिए 18 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए

हैं। इससे प्रोसेसिंग फीस के रूप में आबकारी विभाग ने आवंटन से पहले ही डेढ़ सौ करोड़ रुपए कमा लिए हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा हाल ही में आगामी वित्त वर्ष 2025-26 के लिए लागू की गई नयी आबकारी नीति के तहत देशी-विदेशी शराब तथा भांग की दुकानों के रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन ऑनलाइन आमंत्रित किए गए हैं। जनपद गौतमबुद्धनगर में एक भांग की दुकान सहित 501 देशी व विदेशी शराब की दुकानों का ई लॉटरी के माध्यम से आवंटन किया जाएगा। एक आवेदक को समूचे उत्तर प्रदेश में अधिकतम दो दुकानों का लाईसेंस दिया जाएगा। नयी आबकारी नीति में (शेष पृष्ठ-3 पर)

रजवाहे में गिरी कार, 4 लोगों की मौत

बुलंदशहर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में दर्दनाक हादसा हुआ है। एक कार बेकाबू होकर रजवाहे में पलट गई। हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। हादसे में एक महिला घायल है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मुख्यमंत्री योगीआदित्यनाथ ने भी बुलंदशहर में हुए हादसे पर शोक जताया है।

जानकारी के अनुसार, गुलावठी थाना इलाके के गांव पितुवास के पास मंगलवार सुबह कार बेकाबू होकर पलट गई।

हादसे में कार सवार अमरोहा जिले के थाना नौगावां सादात के गांव नसेर नगला निवासी निपेंद्र (36), उनके पुत्र कन्हैया (15), भाई की पुत्री वंशिका (16) और हर्ष (12) की मौत हो गई। जबकि निपेंद्र की पत्नी कौशल की हालत गंभीर है। घायल का सिकंदराबाद के एक अस्पताल में उपचार चल रहा है। हादसे में घायल कौशल की सिकंदराबाद के गांव नगला काला में ननिहाल है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

भाजपा जिला अध्यक्षों की घोषणा का इंतजार

नाम के इंतजार में ठंडा पड़ रहा है जोश

नोएडा (चेतना मंच)। ज्यों ज्यों फागुन की बयार की रफ्तार बढ़ रही है त्यों त्यों नोएडा में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं का उत्साह दिनों दिन ठंडा पड़ता जा रहा है। हो भी क्यों ना, अभी तक भाजपा हाई कमान ने महानगर तथा जिला अध्यक्षों की घोषणा नहीं की है। कार्यकर्ता पिछले दो-तीन माह से अपने अध्यक्ष की घोषणा के लिए तारीख पर तारीख, तारीख पर तारीख का झूठा आश्वासन झेल रहे हैं। लेकिन अभी तक हाई कमान कोई घोषणा नहीं कर पाया है। जिसके कारण कार्यकर्ताओं में अब मायूसी बढ़ती जा रही है।

भाजपा के उच्च पदस्थ सूत्र बताते हैं कि 10 मार्च तक हर हालत में महानगर तथा जिला अध्यक्षों की घोषणा कर दी जाएगी। हालांकि कुछ विश्वसनीय सूत्रों का यहां तक दावा है कि 5 मार्च को शाम तक अध्यक्षों की घोषणा हो जाएगी। वैसे इसके पहले 3 मार्च को अध्यक्षों की घोषणा की बात कही गई थी लेकिन वह भी पुरानी तारीखों की तरह फिर से कोरी घोषणा साबित हुई।

बता दें कि नोएडा महानगर में भाजपा अध्यक्ष के लिए करीब 35 कार्यकर्ताओं ने आवेदन किया था। इसके बाद अध्यक्षों को लेकर रेस में कई नाम चल रहे थे। जिसमें संजय बाली, महेश चौहान, मनीष शर्मा, डिंपल आनंद, चंदगी राम यादव, उमेश त्यागी आदि के नाम की चर्चा थी। इसके बाद यह शिगुफा छोड़ा गया कि नोएडा महानगर अध्यक्ष का पद किसी महिला को मिल सकता है लेकिन धीरे-धीरे यह चर्चा भी समाप्त हो गई।

सूत्र बताते हैं कि जिले में तो किसी गुर्जर बिरादरी का जिला अध्यक्ष बनाना तय माना जा रहा है लेकिन नोएडा में महानगर अध्यक्ष को लेकर कई पेंच है। नोएडा में ठाकुर, ब्राह्मण तथा पंजाबी एवं दलित समाज को लेकर विभिन्न ताकतवर खेमों में रस्साकसी तेज हो गई है। इसी के कारण नोएडा में अध्यक्ष की घोषणा में विलंब हो रहा है। लेकिन सूत्र बताते हैं कि हाईकमान ने नाम तय कर लिया है संभवत 5 मार्च को इसकी औपचारिक घोषणा कर दी जाएगी। यदि किसी कारणवश 5 मार्च को घोषणा नहीं हो पाई तो 10 मार्च को घोषणा होना बिल्कुल तय है। इस पद के लिए कई दावेदार बेसब्री से हाईकमान की घोषणा का इंतजार कर रहे हैं। अब यह होली किस दावेदार के लिए वरदान साबित होगी तथा किसके लिए अभिशाप, इसकी पुष्टि तो हाईकमान की घोषणा के बाद भी हो पाएगी। फिलहाल सभी दावेदारों की निगाहें हाईकमान की निर्णय पर टिकी हैं।

5 मार्च तक किया जाएगा नि:शुल्क खाद्यान्न का वितरण

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों के क्रम में जिला पूर्ति अधिकारी गौतमबुद्धनगर ने जनपद के समस्त अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों का आह्वान करते हुए जानकारी दी है कि माह फरवरी 2025 के सापेक्ष अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अन्तर्गत आवंटित खाद्यान्न व चयनित जनपदों में बाजार का निशुल्क वितरण कराए जाने के लिए 07.02.2025 से 28.02.2025 तक तिथियां निर्धारित की गई थी।

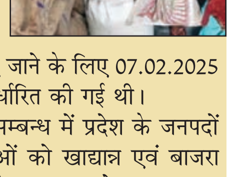

उन्होंने बताया कि उक्त के सम्बन्ध में प्रदेश के जनपदों में राशन कार्ड धारकों/उपभोक्ताओं को खाद्यान्न एवं बाजरा का शत् प्रतिशत वितरण न होने के कारण उपरोक्त आवश्यक वस्तुओं के वितरण का कार्य 05 मार्च 2025 तक विस्तारित किये जाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को 5 मार्च 2025 तक ई-पॉस मशीन के माध्यम से आधार आधारित खाद्यान्न का वितरण किया जायेगा। (शेष पृष्ठ-3 पर)

एडीसीपी क्राइम और ट्रैफिक बदले

गाजियाबाद। गाजियाबाद कमिश्नरेट ने कानून व्यवस्था को दुरूस्त करने के लिए एडीसीपी क्राइम और अपर पुलिस आयुक्त यातायात के पदों पर तबादले किए गए हैं। जानकारी के मुताबिक कुंभ डयूटी से लौटे अपर पुलिस उपायुक्त यातायात पीयूष सिंह को अपर पुलिस उपायुक्त अपराध, महिला अपराध एवं लाइसेंस के पद पर भेजा गया है। वहीं इस पद पर तैनात सच्चिदानंद को अपर पुलिस आयुक्त यातायात बनाया गया है।

(हम भीड़ मे दौड़ना नहीं जीतना सिखाते हैं)

कोड 0910011910
सरस्वती ग्लोबल स्कूल
सेक्टर-22, नोएडा 8750611103
*फीस ना के बराबर *नि:शुल्क एडमिशन फीस
केवल 10 महीने की मासिक फीस

नशे के विरुद्ध युद्ध

लगातार चुनौती बने नशीली दवाओं के कारोबार के खिलाफ पंजाब सरकार ने एक महत्वाकांक्षी युद्ध शुरू किया है। सरकार का दावा है कि तीन महीने के भीतर इस समस्या का खात्मा कर दिया जाएगा। इसी क्रम में विभिन्न सरकारी विभागों ने सैकड़ों छापे डाले, तीन सौ के करीब गिरफ्तारियां और बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों की बरामदगी हुई। निस्संदेह, यह कार्रवाई अभियान आक्रामक व तेज है, लेकिन ऐसे अभियान चलाने के दावे विगत में किए जाते रहे हैं। दरअसल, सबसे बड़ा संकट यह है कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान में हेरोइन उत्पादन के केंद्र- गोल्डन क्रिसेंट के निकट होने के कारण पंजाब लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी से जूझ रहा है। सवाल यह है कि मान सरकार का नशे के कारोबार के खिलाफ जारी अभियान कामयाबी की नई इबारत लिख पायेगा? उल्लेखनीय है कि मान के नेतृत्व वाले प्रशासन ने नशामुक्ति और पुनर्वास प्रयास के साथ ही प्रवर्तन एजेंसियों के जरिये एक व्यापक रणनीति को अंजाम देने की कोशिश की है। इस अभियान में नशामुक्ति केंद्रों और डॉक्टरों द्वारा लिखी जाने वाली दवाओं की बिक्री को विनियमित करने पर ध्यान देकर एक कारगर पहल की गई है। हालांकि, इस अभियान की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या हम इस समस्या की जड़ पर प्रहार कर पाए हैं? दरअसल, इस संकट के मूल में जहां राजनीतिक जटिलताएं, सीमा से जुड़ी समस्याएं हैं, वहीं युवाओं के लिये रोजगार से जुड़े विकल्पों की भी कमी है। उल्लेखनीय है कि पंजाब में विगत में भी ऐसे दावे किए गए हैं। वर्ष 2017 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने चार हफ्ते में नशे के कारोबार को खत्म करने का वादा किया था। निस्संदेह, उनकी सरकार ने भी इस दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए थे। जिसमें सरकारी कर्मचारियों के लिये भी वार्षिक दवा परीक्षण तथा अधिकारियों की नशीली दवाओं के दुरुपयोग रोकथाम की जवाबदेही शामिल थी। लेकिन उसके बावजूद नशीली दवाओं का संकट जारी रहा। इससे पहले बादल के नेतृत्व वाली अकाली सरकार की भी नशे के खिलाफ शुरू की गई लड़ाई सिरे नहीं चढ़ सकी। दरअसल, नशे के कारोबार से जुड़े बड़े माफिया के खिलाफ कारगर कार्रवाई न हो सकने के कारण ये अभियान प्रभावी नहीं हो पाते। इस कार्रवाई का शिकार वे लोग होते हैं जो नशीली दवाओं के अंतिम उपयोगकर्ता नशेड़ी होते हैं। जो आमतौर पर गरीब लोग होते हैं। वहीं दूसरी ओर नशे का बड़ा कारोबार निर्बाध रूप से चलता रहता है। आखिर क्या वजह है कि भारी पुलिस व्यवस्था के बावजूद नशीली दवाओं की बड़ी खेप पंजाब में आसानी से प्रवेश कर जाती है। जो व्यवस्थागत संरचनात्मक मुद्दों की खामियों की ओर इशारा करती है। दरअसल, दीर्घकालिक दृष्टिकोण के बिना कोई भी कार्रवाई स्थायी परिवर्तन लाने में विफल ही रहेगी। सीमा पर सख्त नियंत्रण करने, न्यायिक दक्षता और समाज को जागरूक करने की जरूरत है। वहीं सुखद है कि हिमाचल सरकार ने छह माह में नशे के नेटवर्क को ध्वस्त करने का संकल्प जताया है, जिसमें तस्करों की संपत्ति जब्त करने व संदिग्ध खातों की जांच भी शामिल है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि परन्तु कामदेव की कोई भी कला मुनि पर असर न कर सकी। तब तो पापी कामदेव अपने ही (नाश के) भय से डर गया। लक्ष्मीपति भगवान जिसके बड़े रक्षक हों, भला, उसकी सीमा (मर्यादा) को कोई दबा सकता है?॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0-सहित सहाय सभीत अति मानि हारि मन मैन।
गहेसि जाइ मुनि चरन तब कहि सुठि आरत बैन॥

तब अपने सहायकों समेत कामदेव ने बहुत डरकर और अपने मन में हार मानकर बहुत ही आर्त (दीन) वचन कहते हुए मुनि के चरणों को जा पकड़ा॥

भयउ न नारद मन कछु रोषा। कहि प्रिय बचन काम परितोषा॥
नाइ चरन सिरु आयसु पाई। गयउ मदन तब सहित सहाई॥

नारदजी के मन में कुछ भी क्रोध न आया। उन्होंने प्रिय वचन कहकर कामदेव का समाधान किया। तब मुनि के चरणों में सिर नवाकर और उनकी आज्ञा पाकर कामदेव अपने सहायकों सहित लौट गया॥

दो0-मुनि सुसीलता आपनि करनी। सुरपति सभाँ जाइ सब बरनी॥
सुनि सब कें मन अचरजु आवा। मुनिहि प्रसंसि हरिहि सिरु नावा॥

देवराज इन्द्र की सभा में जाकर उसने मुनि की सुशीलता और अपनी करतूत सब कही, जिसे सुनकर सबके मन में आश्चर्य हुआ और उन्होंने मुनि की बड़ाई करके श्री हरि को सिर नवाया॥

(क्रमश:...)

वन्यजीवों के अस्तित्व पर संकट और उनके संरक्षण की आवश्यकता

वन्य जीव हमारी धरती के अभिन्न अंग हैं लेकिन अपने निहित स्वार्थों तथा विकास के नाम पर मनुष्य ने उनके प्राकृतिक आवासों को बेदर्दी से उजाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है और वनस्पतियों का भी सफाया किया है। धरती पर अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए मनुष्य को प्रकृति प्रदत्त उन सभी चीजों का आपसी संतुलन बनाए रखने की जरूरत होती है, जो उसे प्राकृतिक रूप से मिलती हैं। इसी को पारिस्थितिकी तंत्र या इकोसिस्टम भी कहा जाता है। धरती पर अब वन्य जीवों और दुर्लभ वनस्पतियों की कई प्रजातियों का जीवनचक्र संकट में है। वन्य जीवों की असंख्य प्रजातियां या तो लुप्त हो चुकी हैं या लुप्त होने के कगार पर हैं। पर्यावरणीय संकट के चलते जहां दुनियाभर में जीवों की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने से वन्य जीवों की विविधता का बड़े स्तर पर सफाया हुआ है, वहीं हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। वन्य जीव-जंतु और उनकी विविधता धरती पर अरबों वर्षों से हो रहे जीवन के सतत् विकास की प्रक्रिया का आधार रहे हैं। वन्य जीवों में ऐसी वनस्पति और जीव-जंतु सम्मिलित होते हैं, जिनका पालन-पोषण मनुष्यों द्वारा नहीं किया जाता। इन्हीं वन्य जीवों, वनस्पतियों और उनके आवासों को सुरक्षा प्रदान करने को वन्य जीव संरक्षण कहा गया है तथा इनके संरक्षण के लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 3 मार्च को 'विश्व वन्यजीव दिवस' मनाया जाता है। प्रतिवर्ष यह दिवस एक खास विषय के साथ मनाया जाता है और इस वर्ष 'वन्यजीव संरक्षण वित्त लोगों और ग्रह में निवेश' थीम के साथ मनाया जा रहा है।

जीव-जंतुओं की तमाम प्रजातियां और वनस्पतियां मिलकर अत्यावश्यक पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करते हैं और सही मायनों में वन्य जीव हमारे मित्र है, इसीलिए उनका संरक्षण किया जाना बेहद जरूरी है। हमें भली-भांति यह समझ लेना चाहिए कि इस धरती पर जितना अधिकार हमारा है, उतना ही इस पर जन्म लेने वाले अन्य जीव-जंतुओं का भी है। लेकिन आज प्रदूषित वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण भी दुनियाभर में जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर दुनियाभर में संकट के बादल मंडरा रहे हैं। वन्यजीव दिवस मनाए जाने के उद्देश्यों में विभिन्न किस्म की वनस्पतियों तथा जीव-जंतुओं पर ध्यान केन्द्रित करना, उनके संरक्षण के लाभों के बारे में जागरूकता फैलाना, पूरी दुनिया को वन्यजीव अपराधों के बारे में स्मरण करवाना और मनुष्यों के कारण इनकी प्रजातियों की संख्या कम होने के विरूद्ध कारवाई करना शामिल हैं।

समस्त स्थलीय और जलीय जीवों के लिए वन्य जीवों का बने रहना अत्यावश्यक है। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित अपनी चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से यह उल्लेख किया है कि विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण किस प्रकार असंतुलित होता है। पाठक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक फ्लिपकार्ट से खरीद सकते हैं। पर्यावरण के असंतुलन का ही परिणाम पूरी दुनिया पिछले कुछ दशकों से गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में अब देख और भुगत भी रही है। लगभग हर देश में कुछ ऐसे वन्य जीव पाए जाते हैं, जो उस देश की जलवायु की विशेष पहचान होते हैं लेकिन जंगलों की अंधाधुंध कटाई तथा अन्य मानवीय गतिविधियों के चलते वन्य जीवों के आशियाने भी लगातार बड़े पैमाने पर उजड़ रहे हैं। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दुनिया के जंगली जीवों और वनस्पतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 'विश्व वन्यजीव दिवस' के आयोजन का निर्णय लिया गया। महासभा ने यह सुनिश्चित करने में साइट्स की महत्वपूर्ण भूमिका को भी मान्यता दी ताकि वह सुनिश्चित कर सके कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से प्रजातियों के अस्तित्व को खतरा नहीं है।

ब्रिटिश काल से ही भारत में वन्यजीवों को सुरक्षा प्रदान करने और बचाने के लिए कानूनी प्रावधान किए जाते रहे हैं लेकिन चिंता की बात यह है कि उसके बावजूद वन्यजीवों की अनेक प्रजातियां पिछली एक सदी में लुप्त हो गई हैं। विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की 'लिविंग प्लेनेट रिपोर्ट 2024' में कुछ ही महीने पहले चौंका देने वाला यह चिंताजनक खुलासा भी हुआ था कि 1970 से 2020 के बीच वन्यजीव आबादी में 73 प्रतिशत की विनाशकारी गिरावट दर्ज की गई, जिनमें स्तनधारी, पक्षी, उभयचर, सरीसृप, मछली इत्यादि जीव शामिल हैं। ताजे पानी के पारिस्थितिक तंत्र में यह गिरावट 85 प्रतिशत रही है। हर दो साल में प्रकाशित होने वाली इस रिपोर्ट में बताया गया है कि वन्यजीवों की आबादी दुनियाभर में कैसे प्रभावित हो रही है। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के अनुसार वन्य जीवों को विलुप्त होने से बचाने के लिए देश में सबसे पहले वर्ष 1872 में ब्रिटिश शासनकाल में 'वाइल्ड एलीकेंट प्रोटेक्शन एक्ट' बनाया गया था। उसके बाद वर्ष 1927 में वन्य जीवों के शिकार और वनों की अवैध कटाई को अपराध मानते हुए 'भारतीय वन अधिनियम' अस्तित्व में आया, जिसके तहत सजा का प्रावधान किया गया। देश की आजादी के बाद वर्ष 1956 में 'भारतीय वन अधिनियम' पारित किया गया और 1972 में देश में वन्यजीवों को सुरक्षा प्रदान करने तथा अवैध शिकार, तस्करी और अवैध व्यापार को नियंत्रित करने के उद्देश्य से 'वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972' लागू किया गया। वर्ष 1983 में वन्य जीव संरक्षण के लिए 'राष्ट्रीय वन्य जीव योजना' शुरू की गई, जिसके तहत वन्य जीवों को इंसानी अतिक्रमण से दूर रखने और उनकी सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय पार्क और वन्य प्राणी अभयारण्य बनाए गए। जनवरी 2003 में वन्य जीव संरक्षण अधिनियम में संशोधन किया गया और अधिनियम के तहत अपराधों के लिए जुर्माना तथा सजा को अधिक कठोर बना दिया गया। बहरहाल, प्रत्येक व्यक्ति के लिए यह समझना बेहद जरूरी है कि वन्य जीवों का संरक्षण हम सभी की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है क्योंकि वन्य प्राणियों की विविधता से ही धरती का प्राकृतिक सौन्दर्य है, इसलिए लुप्तप्राय: पौधों और जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है।

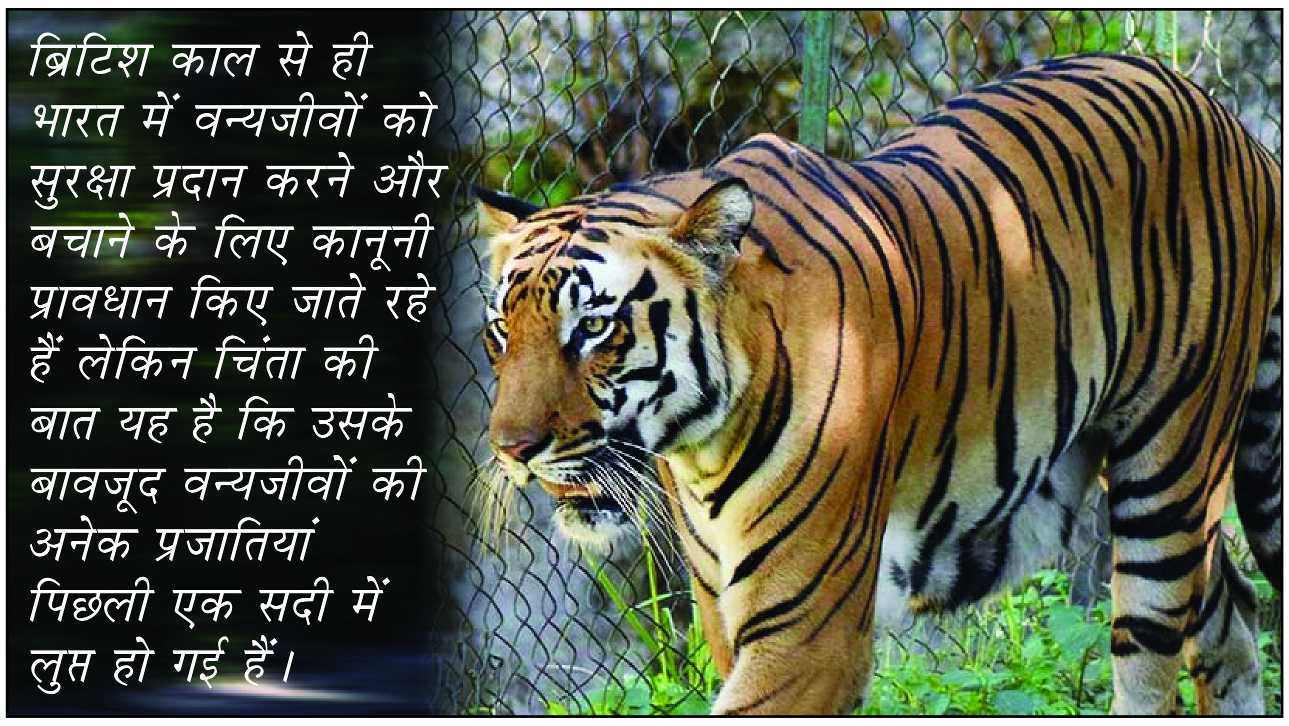

लेखक -योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

आयकर सुधार की ऐतिहासिक पहल

हाल ही में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा लोकसभा में पेश किया गया नया आयकर विधेयक भारत की आयकर व्यवस्था में सुधार और पारदर्शिता के साथ-साथ राजस्व बढ़ाने के लिए एक बड़ी कोशिश का अहम हिस्सा है। वित्तमंत्री सीतारमण ने पिछले वर्ष जुलाई 2024 के बजट भाषण में कहा था कि मौजूदा आयकर कानून की कई धाराएं अपनी प्रासंगिकता खो चुकी हैं। ये धाराएं विशेष आर्थिक क्षेत्र, दूरसंचार, पूंजीगत लाभ सहित कर छूट एवं कटौती जैसे मामलों में कारगर नहीं रह गई हैं। साथ ही इसके तहत कानूनी जटिलताएं कर अनुपालन में मुश्किलें और मुकदमेबाजी में लगातार वृद्धि हुई है। ऐसे में नया आयकर विधेयक कानून बनने के बाद आयकर कानून 2025 के रूप में एक अप्रैल 2026 से मौजूदा आयकर कानून 1961 की जगह ले लेगा। यदि हम देश में आयकर का इतिहास देखें तो पाते हैं कि वर्ष 1860 में सर जेम्स विल्सन द्वारा आयकर की शुरुआत की गई थी, लेकिन देश में एक सुव्यवस्थित कर प्रणाली के रूप में वर्ष 1922 में व्यापक आयकर कानून लागू हुआ, जिसने सही मायनों में न केवल विभिन्न आयकर प्राधिकरणों को औपचारिक रूप प्रदान किया, बल्कि एक सुव्यवस्थित प्रशासनिक रूपरेखा की नींव भी रखी। वर्ष 1961 में मौजूदा आयकर कानून लागू किए जाने के बाद से अब तक आयकर कानून की विभिन्न कमियों को दूर करने के लगातार छोटे-छोटे प्रयास किए जाते रहे। खासतौर से 1981 में कम्प्यूटरीकरण की शुरुआत के साथ हुई तकनीकी प्रगति ने इलेक्ट्रॉनिक रूप से आयकर चालान की प्रोसेसिंग करने पर ध्यान केंद्रित किया। इस परिप्रेक्ष्य में वर्ष 2009 में ई-फाईल और पेपर रिटर्न की व्यापक प्रोसेसिंग को संभालने के लिए सेंट्रलाइज्ड प्रोसेसिंग सेंटर (सीपीसी) की स्थापना की गई।

पिछले एक दशक से आयकर कानून में जो अहम सुधार किए गए हैं, उससे जहां आयकरदाताओं को सुविधा मिली, वहीं आयकरदाताओं की संख्या बढ़ाने में भी मदद मिली है। इन सुधारों में प्रमुख रूप से करदाता चार्टर (टैक्सपेयर चार्टर) और पहचान रहित समीक्षा (फेसलेस असेसमेंट) तथा करदाताओं के लिए पहचान रहित अपील (फेसलेस अपील) व्यवस्था महत्वपूर्ण है। इसके अलावा नॉन फाइलर्स, मॉनिटरिंग सिस्टम (एनएमए) के जरिए ऐसे लोगों की पहचान की जाती है जिन्होंने हाई वैल्यू ट्रांजैक्शन किया है, पर आयकर रिटर्न दाखिल नहीं किया है। इन विभिन्न प्रयासों से पिछले 10 वर्षों में आयकर रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या और आयकर संग्रह में तेज वृद्धि देखी गई है। लेकिन अभी भी बड़ी संख्या में उद्योग-कारोबार सेक्टर में कार्यरत रहते हुए कमाई करने वाले, महंगी आरामदायक व विलासिता की वस्तुओं का उपयोग करने वाले तथा पर्यटन के लिए विदेश यात्राएं करने वालों में से भी बड़ी संख्या में लोग या तो आयकर न देने का प्रयास करते हैं या फिर बहुत कम आयकर देते हैं। स्थिति यह है कि वर्ष 2023-24 में देश के 140 करोड़ से अधिक लोगों में से सिर्फ 8.09 करोड़ लोगों ने आयकर रिटर्न दाखिल किए। इनमें से भी 4.90 करोड़ लोगों ने शून्य कर योग्य आय की सूचना दी। सिर्फ 3.19 करोड़ लोगों ने ही आयकर दिया है। ऐसे में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में आयकर का योगदान बहुत कम बना हुआ है। दुनिया की कई छोटी-छोटी अर्थव्यवस्थाओं में संग्रहित किए जाने वाले आयकर का उनकी जीडीपी में बड़ा योगदान है। वस्तुत- कर संग्रह में तेज वृद्धि से बुनियादी ढांचे, सामाजिक सेवाओं और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए सरकार की क्षमता बढ़ती है। सरकार की मुठ्ठियों में बढ़ता कर राजस्व न केवल अर्थव्यवस्था के नवनिर्माण में मदद करता है, बल्कि यह सरकार को अपने करदाताओं के प्रति जवाबदेह भी बनाता है। साथ ही यह वित्तीय वर्ष की बेहतर योजना और बजट बनाने में मदद करता है। खासतौर से इस समय जब वर्ष 2047 में देश को विकसित देश बनाने का लक्ष्य रखा गया है, तब जीडीपी में आयकर का योगदान बढ़ाया जाना जरूरी दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि आयकर संबंधी विभिन्न मुश्किलों और चुनौतियों के निराकरण के लिए नए आयकर विधेयक में प्रभावी प्रावधान दिखाई दे रहे हैं। नए आयकर विधेयक को संक्षिप्त, स्पष्ट तथा पढने-समझने में आसान बनाते हुए 23 अध्यायों में समेटा गया है। इस विधेयक में 622 पृष्ठ हैं, जबकि मौजूदा कानून में 823 पृष्ठ हैं। शब्द संख्या भी घटाई गई है। मौजूदा कानून के 5.20 लाख शब्दों से घटाकर नए विधेयक में केवल 2.60 लाख रखी गई है। मौजूदा कानून में आरंभ में केवल 298 धाराएं थीं, मगर प्रावधान जुड़ते गए और अब कुल 819 धाराएं हो गई हैं। नए विधेयक ने इन्हें घटाकर 536 कर दिया है। नए आयकर विधेयक में 'चार्टर ऑफ टैक्सपेयर्स' है, जिससे कर व्यवस्था में विश्वास और पारदर्शिता बढ़ेगी। वेतनभोगी करदाताओं के लिए विभिन्न प्रावधानों को सहज बनाते हुए हर तरह की कटौती को एक ही धारा के तहत रख दिया गया है। नए विधेयक में मुकदमेबाजी कम करने और टैक्स मामलों को जल्दी सुलझाने पर ध्यान दिया गया है। पुराने कानून में इस्तेमाल किए गए जटिल शब्दों को सरल बना दिया गया है। अब 'असेसमेंट ईयर' की जगह 'टैक्स ईयर' होगा। टैक्स ईयर 1 अप्रैल से 31 मार्च तक रहेगा।

अब क्रिप्टोकरेंसी और अन्य डिजिटल एसेट्स को कैपिटल एसेट माना जाएगा और उन पर टैक्स लगाया जाएगा। इससे डिजिटल संपत्तियों पर टैक्स सिस्टम के बारे में अधिक स्पष्टता आएगी। नए टैक्स रिजीम के साथ ओल्ड टैक्स रिजीम भी जारी रहेगा। निश्चित रूप से नए आयकर विधेयक में आयकर अधिकारियों के अधिकारों और शक्तियों को बढ़ाया गया है। नए आयकर विधेयक में गलत या अधूरी जानकारी देने पर भारी जुर्माना सुनिश्चित किया गया है। जानबूझकर टैक्स चोरी करने वालों पर मुकदमा चलाया जा सकता है। बकाया टैक्स का भुगतान न करने पर अधिक ब्याज और पेनल्टी है। आय छिपाने पर अकाउंट सीज और संपत्ति जब्त करने के अधिकार होंगे। इन सबसे आयकर संग्रहण बढ़ेगा और ईमानदार करदाताओं को लाभ होगा। निश्चित रूप से एक अप्रैल 2026 से लागू होने वाले नए आयकर कानून की वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर होगी कि इस कानून को कितने कारगर तरीके से लागू किया जाता है। इस कानून की वास्तविक परीक्षा यह भी होगी कि यह कर संबंधी मुकदमों में कितनी कमी लाएगा। निःसंदेह व्यक्तिगत आयकर के मामले में सरकार ने नई कर प्रणाली लागू करके बेहतर किया है, लेकिन रियायतों और कर दरों का ढांचा अब भी जटिल बना हुआ है। इसे सरल बनाने के लिए सरकार को प्राथमिकता से ध्यान देना होगा। साथ ही कर दरें घटाने पर भी ध्यान देना होगा। हम उम्मीद करें कि नए आयकर कानून 2025 के तहत सरल कर ढांचा और सरल कानून सभी के लिए मददगार होंगे और देश की जीडीपी में आयकर का अधिक योगदान बढने से अर्थव्यवस्था भी तेजी से आगे बढ़ेगी।

-डा. जयंती लाल भंडारी
विख्यात अर्थशास्त्री

राशिफल

फाल्गुन शुक्ल पक्ष पंचमी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
ओजस्वी-तेजस्वी बने रहेंगे। आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे। एक आकर्षित करने वाली ऊर्जा आपमें रहेगी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
मन चिंतित रहेगा। घबराहट, बेचैनी बनी रहेगी। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम, संतान भी बहुत अच्छा नहीं है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ङ , छ, के, हो, हा)
आय के नवीन स्तोत्र बनेंगे। पुराने स्तोत्र से भी पैसे आएंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी, लेकिन स्वास्थ्य थोड़ा सा मध्यम रहेगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
व्यावसायिक सफलता मिलेगी। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान भी ठीक है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
भाग्य साथ देगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। यात्रा का योग बनेगा। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार अच्छा दिख रहा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य मध्यम।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
स्वास्थ्य थोड़ा प्रभावित है। प्रेम, संतान की स्थिति अच्छी है। व्यापार अच्छा है। जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
शत्रुओं पर भारी पड़ेंगे। कार्य विघ्न-बाधा के साथ संपन्न हो जाएगा। प्रेम, संतान भी अच्छा है। व्यापार भी अच्छा है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
लिखने-पढ़ने में समय व्यतीत करें। भावनाओं में बहकर कोई निर्णय न लें। प्रेम, संतान थोड़ा मध्यम है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य अच्छा। प्रेम, संतान मध्यम। व्यापार अच्छा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
प्रेम, संतान सुधर चुका है। व्यापार भी आपका अच्छा हो चुका है, लेकिन स्वास्थ्य को हल्के में मत लीजिएगा।

मीन- (दी, दु, झ, थ, दे, दो, च, चा, चि)
व्यापार चलता रहेगा। खर्च की अधिकता मन को परेशान करेगी। हरी वस्तु पास रखें।

छात्रों को दिया गया फर्नीचर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उच्च प्राथमिक विद्यालय तुगलपुर ग्रेटर नोएडा में 350 छात्र छात्राओं के लिए फर्नीचर 'स्टेलर सेठी ट्रस्ट' द्वारा विद्यालय को दिया गया। पूर्व में स्टेलर सेठी ट्रस्ट द्वारा शैक्षिक भ्रमण पर ताजमहल और आगरा किला का भ्रमण कराया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष प्रवीण शर्मा ने की। कार्यक्रम का संचालन मेघराज भाटी ने किया।

स्टेलर सेठी ट्रस्ट की तरफ से मुख्य अतिथि प्रेम कुमार मिश्रा ने कहा शिक्षा दान महादान है जिससे देश के लिए शिक्षित, संस्कारित नागरिक तैयार होते है जो देश के विकास में योगदान देते है।

प्रधानाध्यापक रामकिशन शर्मा, मंडल अध्यक्ष मेघराज भाटी, जिला अध्यक्ष प्रवीण शर्मा, अनीता भाटी, वंदना पांडे अरविंद शर्मा, सुमन पटेल, मनीषा अत्री, शुभा पांडे ईशा शर्मा, राकेश आदि कार्यक्रम में उपस्थित हुए।

संदीप कुमार 'बालाजी' की पुस्तक 'लाल परिंदे' का विमोचन

कवि गोष्ठी में रोचक रचनाओं का हुआ पाठ, वसंतोत्सव पर हुआ आयोजन

मिर्जापुर। ग्राम पूरेबदल, पोस्ट साण्डा (सुरियावां), जनपद भदोही में डॉ संदीप कुमार 'बालाजी' द्वारा लिखित 'लाल परिंदे' (बाल कहानियाँ) का श्री तेरसनाथ मनभावती देवी आवास पर भव्य विमोचन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कर्मराज यादव 'किसलय' ने बधाई दी। तो मुख्य अतिथि रहे हिंदी प्रकाशन के संस्थापक आनंद 'अमित' ने कहानियों की भूरि भूरि प्रशंसा किया और कहा कि बालाजी की कविताएं और कहानियाँ दोनों ही अत्यंत प्रेरक और साहित्य की कसौटी पर उम्दा हैं आपकी कविताओं की भांति ही कहानियाँ भी बिंबो, प्रतीकों में गति पाती हैं।

हिंदी श्री पब्लिकेशन ने उक्त अवसर पर संदीप कुमार 'बालाजी' को बाल साहित्य के क्षेत्र में विशेष कार्य के लिए हिंदी श्री बाल साहित्य सम्मान प्रशस्ति पत्र और अंग वस्त्रम देकर विभूषित किया और विमोचनकर्ता भोलानाथ कुशवाहा ने कहा कि संदीप कुमार 'बालाजी' की कहानियाँ कथा साहित्य की कसौटी पर अत्यंत खरी उतरती हैं। उद्देश्य परक होने के साथ-साथ रोचक और भारतीय संस्कृति को समेटे हुए होती हैं। आयोजक श्री विनोद कुमार सरोज (सीनियर ऑडिटर) ने कहा कि कहानी और कविताएं केवल मनोरंजन का साधन नहीं होती अपितु देश और समाज के लिए दिशा निर्देश का कार्य करती हैं। पूर्व प्रधानाचार्य नरेंद्र बहादुर सिंह और प्रधानाचार्य रमेश चंद्र दुबे ने बालाजी को आशीर्वाद एवं बधाई दिया साथ ही उनकी कहानी और कविताओं पर प्रकाश डाला। संयोजक योगेंद्र प्रताप श्रीवास्तव ने बालाजी को बधाई दिया।

उक्त अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार नरेंद्र बहादुर सिंह पंकज का जन्मदिन भी मनाया गया। संलग्न काव्य-पाठ कार्यक्रम में नरेंद्र बहादुर सिंह 'पंकज', अजय विश्वकर्मा 'शान', अरुण यादव 'आदित्य', श्रीमती सुमति श्रीवास्तव, गंगाधर मिश्र बेखबर सत्येंद्र शुक्ला सजग, डॉ विनोद स्वामी, राम सागर सरस, इंद्रजीत सिंह वियोगी, आनंद गुप्ता गांधी, शेख सलीम सचिन सरोज, वंदना मौर्य, जैसे रचनाकारों ने सुंदर काव्य पाठ कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अतिबल सरोज, गुलाबचंद सरोज, पंडित रामचंद्र दुबे, समरजीत सरोज, प्रोफेसर रविशंकर गौतम, लालचंद दुबे, चंद्रमा प्रसाद उपाध्याय, भोलानाथ सरोज, दिनेश यादव, सुनील तिवारी, हंसराज राम शिरोमणि सरोज शिवप्रसाद सरोज, दिनेश सरोज, सूर्यमणि सरोज जैसे लोगों की गरिमा में उपस्थित बनी रही। कार्यक्रम के अंत में आयोजक विनोद कुमार सरोज सीनियर ऑडिटर ने सबका आभार व्यक्त किया और योगेंद्र प्रताप श्रीवास्तव एवं रमेश चंद्र दुबे ने रचनाकारों को विनोद लक्ष्मी साहित्य सम्मान से विभूषित किया गया।

कल आज कल

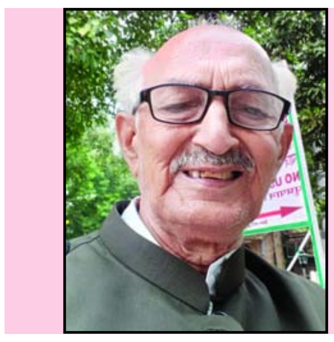

डॉ. कृष्णावतार त्रिपाठी (राही)
ज्ञानपुर (भदोही)

यहां से वहां तक
जहां तक दृष्टि जाती है,
छत रहित दीवारें ही दिखाई पड़ती हैं ,
न जाने कब से इन्हे देखते -देखते
आंखें पथरा गई हैं।
खुद में खुद की तलाश में
सड़क और गली
आदमियों की सूरत
न बुरी है न भली
आंगन से दीवार
दीवार से आंगन
इन्हीं दीवारों के बीच
इस आंगन की ऊंचाई पर बैठा मैं
न आगे कूद सकता हूं
न पीछे लौट सकता हूं ।
मुझे इस आंगन की मुंडेर पर
बंदी की तरह बैठा दिया गया है
जहां काबिज है मेरा अतीत
धुआं -धुआं सा अनिश्चित मेरा कल
दमित इच्छाओं ,सुनहरे सपनों का
मेरा वर्तमान
कल आज कल की गलियों में
खुद में खुद को तलाशता
अपनी ही शक्ल से बेजार
एक ढहते हुए मजार सा मैं ।।

बुजुर्ग ईएसआईसी कार्डधारकों को घर बैठे डाक से मिलेंगी दवाइयां

नोएडा (चेतना मंच)। बुजुर्ग ईएसआईसी कार्ड धारकों को दवा लेने के लिए अस्पताल जाने की परेशानी से जल्द ही छुटकारा मिल सकता है। ईएसआईसी प्रबंधन बुजुर्ग मरीजों को डाक के माध्यम से घर पर दवाइयां उपलब्ध कराने की योजना पर काम कर रहा है।

ईएसआईसी के मुख्यालय से निर्देश मिलने के बाद प्रबंधन ने डाक विभाग से बातचीत कर इस प्रक्रिया को तेज कर दिया है। योजना के पहले चरण में 60 वर्ष से अधिक उम्र के कार्डधारकों का पता सत्यापित किया जा रहा है। सेक्टर-24 स्थित ईएसआईसी अस्पताल से करीब 15 लाख कार्डधारक जुड़े हैं। इंडस्ट्रियल एसोसिएशन नोएडा के जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह नाहटा ने ईएसआईसी महानिदेशक अशोक कुमार सिंह को पत्र सौंपकर इस योजना को जल्द लागू करने की मांग की थी।

अस्पताल की निदेशक डॉ. संगीता माथुर ने बताया कि भारतीय पोस्टल सेवा की मदद से मरीजों को दवाइयां डिलीवर करने की योजना तैयार की जा रही है। वार्ता के बाद इस योजना को जल्द लागू किया जाएगा।

यमुना सिटी के 25 हजार आवंटियों को मकान निर्माण के लिए मिला 1 वर्ष का अतिरिक्त समय

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। यमुना सिटी में भूखंड लेने वाले 25 हजार आवंटियों को मकान निर्माण के लिए और एक वर्ष का अतिरिक्त समय दिया गया है। जिन भूखंडों की रजिस्ट्री हो चुकी है, उन्हें 45 दिनों में नक्शा पास कराकर 90 दिनों में निर्माण कार्य शुरू करना होगा। मकान निर्माण कार्य पूरा करने की अंतिम तिथि दिसंबर 2025 तय की गई है। लीजडीड के लिए मई तक का समय दिया गया है।

सोमवार को यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) की 83वीं बोर्ड बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में प्रमुख सचिव आलोक कुमार की अध्यक्षता में कुल 51 प्रस्ताव पारित किए गए। इसमें सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह, एसीईओ नागेंद्र प्रताप, कपिल सिंह, ओएसडी शैलेंद्र भाटिया, शैलेंद्र सिंह, महराम भाटी समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बोर्ड परीक्षा छोड़ने में छात्रों की संख्या अधिक

नोएडा (चेतना मंच)। यूपी बोर्ड परीक्षा में छात्राओं की तुलना में छात्रों की अनुपस्थिति अधिक देखी गई। गणित और हिंदी परीक्षाओं में सबसे अधिक छात्र अनुपस्थित रहे। हाईस्कूल में 843 छात्रों और 552 छात्राओं ने हिंदी परीक्षा नहीं दी, जबकि इंटर में 4 छात्रों और 2 छात्राओं ने परीक्षा छोड़ी। गणित परीक्षा में हाईस्कूल के 447 छात्र और 158 छात्राएं अनुपस्थित रहे, जबकि इंटर में 200 छात्र और 87 छात्राएं परीक्षा देने नहीं पहुंचे।

खाटू श्याम गया परिवार लाइसेंसी पिस्टल समेत गहने चोरी

नोएडा(चेतना मंच)। फेज तीन थाना क्षेत्र के गढ़ी चौखंडी में चोरों ने बीएसएफ के सेवानिवृत्त जवान और डीटीसी कर्मी हेम सिंह के बंद घर का ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। परिवार खाटू श्याम दर्शन के लिए राजस्थान गया हुआ था। वापस लौटने पर चोरी का पता चला। हेम सिंह ने करीब 97 तोला सोने-चांदी के गहने, नकदी, लाइसेंसी पिस्टल व अन्य सामान चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई।

सोने के गहनों में पांच तोला के गले के दो हार, साढ़े तीन तोले की सात अंगूठी, दो तोले के दो पेंडल, दो तोले की दो चूड़ी, आधे तोले का नथ, एक तोले का टीका, सवा तीन तोले की एक झुमकी, कुंडल, लौंग आदि शामिल हैं। चांदी के गहनों में 50 तोला वजनी आठ पायल और 30 तोले की दो तगड़ी शामिल हैं। इसके अलावा, 70 हजार रुपये नकद और एक लैपटॉप भी चोरी हुआ है। सीसीटीवी फुटेज में दो-तीन संदिग्ध चोरी करते हुए दिखाई दिए हैं। पुलिस की तीन टीमें आरोपियों की तलाश में जुटी हैं। एसीपी राजीव कुमार गुप्ता ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर जांच जारी है।

विकास परियोजनाओं की होगी ऑनलाइन निगरानी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण अब अपनी विकास परियोजनाओं की ऑनलाइन निगरानी करेगा। इसके लिए जिओग्राफिक इंफारमेशन सिस्टम (जीआईएस) आधारित प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग सिस्टम तैयार किया जा रहा है। इसकी जिम्मेदारी राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) को दी गई है।

इस नई प्रणाली के तहत परियोजनाओं के प्रस्ताव, टेंडर, भुगतान बिल और प्रगति की जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध होगी। निर्माण एजेंसियों की आर्थिक क्षमता और लेनदेन का ब्यौरा भी इस सिस्टम में दर्ज होगा। गूगल मैप के माध्यम से सड़कों के निर्माण व रिसर्फेसिंग की निगरानी होगी। परियोजनाओं की गुणवत्ता की भी जवाबदेही तय की जाएगी।

प्राधिकरण के ओएसडी महेंद्र प्रसाद के अनुसार, इस निगरानी प्रणाली में पीडब्ल्यूडी के टेंडर ऐप प्रहरी को भी जोड़ा जाएगा, जिससे सभी एजेंसियों की पूरी प्रोफाइल उपलब्ध होगी।

सेक्टर-117 में सफाई अभियान, जनभागीदारी बढ़ाने पर दिया जोर

नोएडा (चेतना मंच)। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 में अधिक भागीदारी बढ़ाने के लिए नोएडा के सेक्टर-117 में आज एक विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान में प्राधिकरण के विभिन्न विभागों के अधिकारी और स्थानीय निवासी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

इस मौके पर सेक्टर-117 आरडब्लूए के अध्यक्ष एडवोकेट कोसिंदर यादव ने नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ मिलकर सेक्टर का दौरा किया और अधूरे विकास कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से इन कार्यों को जल्द पूरा करने का अनुरोध किया। इस अभियान में सेक्टरवासियों ने शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के साथ-साथ स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 में इसे शीर्ष स्थान दिलाने का संकल्प लिया।

इस मौके पर सेक्टर-117 आरडब्लूए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बन्टी सिंह ने कहा की स्वच्छता के प्रति जागरूकता और जनभागीदारी से ही हम अपने शहर को इंदौर जैसा स्वच्छ बना सकते हैं।

इस अभियान में सीविल विभाग के सीनियर मैनेजर के.वी. सिंह, मैनेजर आदित्य चौहान, इंजीनियर निखिल मित्तल, विद्युत यांत्रिकी विभाग से इंजीनियर राजीव यादव, स्वास्थ्य विभाग से इंजीनियर विकास पराशर और उनकी टीम, जल/सीवर विभाग से उपेंद्र पांडे, हॉर्टिकल्चर विभाग से इंस्पेक्टर बिशन जी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

इसके अलावा, सेक्टर-117 आरडब्लूए के महासचिव रामेश्वर शर्मा, विकास सिंह, श्रीकृष्णा अपार्टमेंट अध्यक्ष कुलदीप पाल और महासचिव संजीव पाल सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी इस अभियान का हिस्सा बने।

सेक्टर के अध्यक्ष कोसिंदर यादव ने बताया की इस अभियान का उद्देश्य लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना और स्वच्छ सर्वेक्षण में शहर को बेहतर स्थान दिलाने के लिए सामूहिक प्रयास को बढ़ावा देना था। इस पहल के तहत आगे भी सफाई अभियानों का आयोजन किया जाएगा।

पृष्ठ एक के शेष....

5 मार्च तक किया...

मोबाईल ओ0टी0पी0 के माध्यम से वितरण की सुविधा पूर्व तिथि 28.02.2025 के साथ 05.03.2025 को भी उपलब्ध रहेगी एवं कार्डधारकों को पोर्टेबिलिटी के माध्यम से खाद्यान्न प्राप्त करने की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। उन्होंने उचित दर विक्रेताओं को निर्देशित करते हुए कहा कि आवश्यक वस्तुओं का वितरण कार्य उक्त अवधि में सुनिश्चित किया जायेगा ताकि कोई भी लाभार्थी खाद्यान्न प्राप्त करने से वंचित न रहें।

सीएम योगी...

नोएडा के बाद ग्रेटरनोएडा के कार्यक्रम के बाद वे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की प्रगति रिपोर्ट जानने मौके पर जा सकते है। अप्रैल में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से कामर्शियल फ्लाइट उड़ान भर सकती है। इस सिलसिल में मुख्य सचिव मनोज सिंह भी यमुना एक्सप्रेस की बोर्ड बैठक के बाद वे एयरपोर्ट और अन्य स्थानों पर भी गए ।तथा प्रगति का निरीक्षण किया।

दुकानों के आवंटन...

लाईसेंस शुल्क में वृद्धि की गई है। ई-लॉटरी के माध्यम से जनपद गौतमबुद्धनगर में शराब की दुकान हासिल करने के लिए लगभग साढ़े छ: हजार आवेदकों से 18 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। प्रोसेसिंग फीस के रूप में डेढ़ सौ करोड़ रुपए अग्रिम जमा कराए गए हैं जो नॉन ट्रांसफरेबल तथा नॉन रिफंडेबल हैं। इस प्रकार आबकारी विभाग को दुकानों के आवंटन से पहले ही डेढ़ सौ करोड़ रुपए की आमदनी हो गई है। जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार ने बताया कि नयी आबकारी नीति में पारदर्शिता के साथ ऑनलाइन ई लॉटरी के माध्यम से दुकानों का आवंटन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आगामी छ: फरवरी को कलेक्ट्रेट परिसर में बाकायदा पंडाल लगाकर ई लॉटरी के माध्यम से दुकानों का आवंटन किया जाएगा।

विंडसर सोसायटी की...

जांच के दौरान सीसीटीवी से पता चला कि शुभम अपने ऑफिस से काफी देरी से आए थे तथा अत्यधिक नशे में होने के कारण यह अपने फ्लैट तक नहीं पहुंच पाए थे और फर्स्ट फ्लोर की बालकनी पर जाकर ही बैठ गए थे जहां पर फिसलने के कारण इनकी मृत्यु हो गई।

रजवाहे में...

सोमवार को कौशल के मामा हंसराज की पोती का विवाह था। जिसमें शामिल होने के लिए सोमवार शाम को निपेंद्र अपनी पत्नी, पुत्र और भाई के दोनों बच्चों के साथ आए थे।

मंगलवार सुबह दुल्हन की विदाई के बाद ये सभी लोग अपनी ऑल्टो कार से वापस अमरोहा के लिए निकले थे। करीब तीन किलो मीटर दूरी पर गांव पितुवास के निकट रजवाहे में कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में निपेंद्र समेत उनके पुत्र और भतीजा और भतीजी की मौत हो गई।

श्रीराम मंदिर पर...

अहम सुराग मिले हैं, जिनसे जांच की दिशा और तेज हो गई है। हिरासत में लिए गए तीनों युवक बलिया जिले के बताए जा रहे हैं, जिनके पास से पाकिस्तान से संबंधित ईमेल एड्रेस मिले हैं। अब यूपी एटीएस इन ईमेल एड्रेस की गहरी जांच कर रही है।

बलिया जिले के सुखपुरा थाना समेत अन्य थानों में यूपी एटीएस की टीम ने छापेमारी की और आधा दर्जन से अधिक संदिग्धों को हिरासत में लिया। इनमें से तीन युवकों को बलिया के विभिन्न स्थानों से हिरासत में लिया गया। इन युवकों के पास से पाकिस्तान से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी और ईमेल एड्रेस मिलने से एटीएस की जांच और तेज हो गई है।

आपको बता दें कि फरीदाबाद के बांस रोड पाली से पकड़े गए अब्दुल रहमान (19) को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। आतंकी संगठन आईएसआईएस ने अब्दुल रहमान को अयोध्या राम मंदिर पर हमला करने के लिए तैयार किया था। आधिकारिक सूत्र ने बताया कि आतंकी संगठन आईएसआईएस की क्षेत्रीय शाखा इस्लामिक स्टेट -खुरासान प्रांत ने इस हमले की साजिश रची थी।

इफको फूलपुर ने लगातार तीसरी बार रचा इतिहास

प्रयागराज (फूलपुर)। 15वीं इफको अंतर इकाई क्रिकेट-वॉलीबॉल टूर्नामेंट में इफको फूलपुर इकाई की टीम ने लगातार तीसरी बार चैम्पियन बना। फाइनल मुकाबले में इफको फूलपुर टीम ने इफको पारादीप टीम को 3-1 अंको से हराया, जिसमें मैच प्वांट 25-23,25-20,18-25,25-16 रहा।

मैन ऑफ द मैच व मैन ऑफ द सीरीज इफको फूलपुर इकाई की टीम के सन्नी दयाल गुप्ता रहे, जबकि इफको फूलपुर इकाई की टीम के उप कप्तान सचिन चौधरी को 'बेस्ट स्मैशर ऑफ द टूर्नामेंट' का पुरस्कार मिला। फूलपुर इकाई ने टूर्नामेंट टीम के कप्तान एम.ए.ए. सिद्दकी की अगुवाई में जीता।

15वीं इफको अंतर इकाई क्रिकेट-वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन इफको कांडला गुजरात में 25 फरवरी से 02 मार्च तक चला। अंतर इकाई क्रिकेट- वॉलीबॉल टूर्नामेंट 2025 का भव्य समापन इफको कांडला, गुजरात में सांस्कृतिक कार्यक्रम व स्थानीय संस्कृति की झलक के साथ हुआ।

इफको फूलपुर वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (इकाई प्रमुख) संजय कुदेशिया, विभागाध्यक्ष मानव संसाधन शम्भू शेखर, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी व महामंत्री स्वयम् प्रकाश, इफको इम्पलाइज संघ के अध्यक्ष पंकज पाण्डेय व महामंत्री विजय कुमार यादव,संजोयक शैलेश शेरकर ने विजेता टीम को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस ऐतिहासिक जीत से इफको फूलपुर की टीम ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट खेल प्रतिभा और टीम भावना का परिचय दिया, जिससे पूरे संगठन में हर्ष और गर्व का माहौल बना हुआ है।

निविदा आमंत्रण सूचना

ऊष्मा ऊर्जा सहकारी आवास समिति लिमिटेड, सी-58/3 सेक्टर-62, नोएडा में मौजूदा 75 केवीए (किलोस्कर मेक) डीजी सेट में दोहरे ईंधन रूपांतरण किट की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग (एस.आई.टी.सी.) कार्य करने के लिए निविदाकर्ता उपरोक्त पते पर सोसायटी कार्यालय से 16-03-2025 तक निविदा दस्तावेज प्राप्त कर सकते हैं।

सेक्टर-112 में बहने लगी चुनाव की बहार 3 पैनलों ने भरे नामांकन

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-112 की किसान कोटा आरडब्लूए में सेक्टर वासियों के संघर्ष के बाद 6 वर्षो बाद चुनाव होने जा रहे हैं जिससे संपूर्ण सेक्टर में हर्ष का माहौल है। सेक्टर के चुनाव में भागीदारी के लिए 3 पैनलों ने अपने फार्म डिप्टी रजिस्ट्रार द्वारा नियुक्त चुनाव अधिकारी जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी लावेश कुमार को जमा किये है। इस लोकतंत्र की लडाई में अग्रिम भूमिका निभाने वाले नागेंद्र सिंह व विकास चौधरी की टीम ने अधिकांश सेक्टर वासियों के साथ मंदिर में पूजा अर्चना कर अपने नामांकन जमा किये है, संपूर्ण सेक्टर निवासी पहली बार सेक्टर में अपने मताधिकार का उपयोग करने हेतु लालायित है।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

मणिपुर में चार जिलों के लोगों ने पुलिस को सौंपे हथियार

इंफाल। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला की अपील पर चार जिलों में लोगों ने पुलिस प्रशासन को हथियार सौंपे। पुलिस ने आज बताया कि इंफाल ईस्ट जिला केएसडीपीओ पोरमपट कार्यालय में 9 एमएम पिस्टल, एंटी-रायट गन, .303 राइफल, स्टन शेल और टियर गैस शेल सहित अन्य हथियार जमा कराए गए इसके अलावा बिष्णुपुर जिले के 10 बीएन बीएसएफ लोकतक प्रोजेक्ट में 12 बोर सिंगल बैरल गन, .303 राइफल, विभिन्न प्रकार के ग्रेनेड, देसी पिस्टल, वायरलेस सेट, हेलमेट, बुलेटप्रूफ जैकेट कवर, बुलेटप्रूफ प्लेट और 70 एमएम देसी मोर्टार जमा किए गए जिरीबाम जिले के लोगों ने भी पहल की है। यहां के लोगों ने जिरीबाम पुलिस स्टेशन में देसी एसबीबीएल गन, डबल बैरल गन, 12 बोर कारतूस, 7.62 एमएम और 5.56 एमएम राउंड, एके-47 और एसएलआर मैगजीन जमा कराए इंफाल वेस्ट जिले के वांगोई पुलिस स्टेशन और सेक्माई पुलिस स्टेशन में एसएलआर राइफल, डबल बैरल गन, हैंड ग्रेनेड, कार्बाइन, मैगजीन, बुलेटप्रूफ जैकेट, बूट्स, हेड गियर और अन्य सामग्री सौंपी गई।

हिमाचल में भारी बारिश-बर्फबारी का अलर्ट

शिमला/देहरादून। हिमाचल प्रदेश के कुछ स्थानों पर तीन मार्च को भारी बारिश और बर्फबारी के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। स्थानीय मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि 26, 27 और 28 फरवरी को हुई भारी बर्फबारी और बारिश के प्रभाव के कारण तीन मार्च को चंबा, कांगड़ा और लाहौल एवं स्पीति के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। राज्य में अब भी 365 सड़कें और तीन राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हैं तथा 1,377 बिजली ट्रांसफार्मर और 269 जलापूर्ति व्यवस्थाएं प्रभावित हुई हैं। राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने बताया कि रविवार को भी सड़कों समेत अन्य क्षतिग्रस्त सुविधाओं को बहाल करने के लिए कार्य जारी रहा। उन्होंने बताया कि कुछ स्थानों पर हिमस्खलन हुआ, लेकिन जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ। हालांकि, जनजातीय क्षेत्र पांगी घाटी में साच के पास जोध नाले में संत राम नाम का एक व्यक्ति गिर गया।

दो देशों के दो खूबसूरत शहरों के बीच 15 से फ्लाइट ऑपरेशन शुरू

तिरुअनंतपुरम। केरल के कोच्चि शहर को अरब सागर की रानी के तौर पर भी पहचाना जाता है। वहीं यूएई के रास अल खैमा शहर की पहचान जाबेल जैस पर्वत के घर के तौर पर होती है। जाबेल जैस यूएई का सबसे ऊंचा पर्वत है। इंडिगो एयरलाइंस अगले कुछ दिनों में कोच्चि और रास अल खैमा के बीच नई फ्लाइट शुरू करने जा रहा है। सबकुछ ठीक रहा तो दो देशों के दो खूबसूरत शहरों के बीच 15 मार्च से फ्लाइट ऑपरेशन शुरू हो जाएंगे। इस नए फ्लाइट रूट के खुलने से पैसेंजर्स को केरल और यूएई के बीच यात्रा करने के लिए अधिक विकल्प मिल सकेंगे। एयरलाइंस के अनुसार, 15 मार्च से कोच्चि से रास अल खैमा के लिए टेकऑफ होने वाली फ्लाइट का नंबर 6ई 1517 होगा।

यूपी में हाइवे से लगीं सभी शराब की दुकाने हटेंगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेस-वे एवं हाईवे से लगीं सभी शराब की दुकानों को हटाया जाएगा। इसके अलावा बड़े बड़े अक्षरों में लिखा शराब की दुकाना, को भी छोटा किया जाएगा। इस आशय के निर्देश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अक्सर यह देखा गया है कि शराब की दुकानों के साइनेज बोर्ड बहुत बड़े होते हैं, इन्हें छोटा किया जाए। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में यह आदेश दिए।

रक्षा मंत्री ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व सम्मेलन को संबोधित किया ,कहा

सैनिकों के कल्याण के लिए खुल कर दें योगदान : राजनाथ

- सैनिक हमेशा कठिन परिस्थितियों में सीमाओं पर दृढ़, सतर्क और तैयार रहते हैं ताकि देश को सभी प्रकार के खतरों से साहस और तत्परता से बचाया जा सके।

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोगों से सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए पूरे दिल से योगदान देने का आह्वान करते हुए इसे प्रत्येक नागरिक का राष्ट्रीय कर्तव्य बताया है। श्री सिंह ने सोमवार को यहां सशस्त्र सेना झंडा दिवस कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सैनिक हमेशा कठिन परिस्थितियों में सीमाओं पर दृढ़, सतर्क और तैयार रहते हैं ताकि देश को सभी प्रकार के खतरों से साहस और तत्परता से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार देश के सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने और सैनिकों तथा उनके परिवारों के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन यह राष्ट्र की सामूहिक जिम्मेदारी है कि वह आगे आए और हर संभव तरीके से उनका समर्थन करे। श्री सिंह ने जोर देकर कहा कि सीएसआर 2 प्रतिशत योगदान के बारे में नहीं है यह बहादुर सैनिकों और उनके आश्रितों के साथ दिल से दिल का जुड़ाव है। उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित शीर्ष कॉर्पोरेट प्रमुखों से कहा, आपको इस बात का पूरा ध्यान रखना चाहिए कि कल जब आपकी वास्तविक बैलेंस शीट तैयार हो, तो उसमें देनदारियों की तुलना में संतुष्टि और खुशी की संपत्ति अधिक हो। रक्षा मंत्री ने रक्षा क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि सभी हितधारकों के ठोस प्रयासों से आत्मनिर्भर और विकसित भारत का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी के साथ भारत 2027 तक दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में स्थान बना लेगा। उन्होंने सैनिक कल्याण के लिए उदार योगदान करने वाले कॉर्पोरेट घरानों की सराहना की और इस अवसर पर शीर्ष सीएसआर दाताओं को सम्मानित किया। रक्षा मंत्रालय का भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग युद्ध विधवाओं, शहीद सैनिकों के आश्रितों और विकलांगों सहित पूर्व सैनिकों के कल्याण और पुनर्वास के लिए काम कर रहा है। इसके तहत व्यक्तिगत जरूरतों जैसे कि गरीबी अनुदान, बच्चों की शिक्षा अनुदान, अंतिम संस्कार अनुदान, चिकित्सा अनुदान और अनाथ/विकलांग बच्चों के लिए अनुदान के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

आईआईएमसी का 56वां दीक्षांत समारोह आज, अश्विनी वैष्णव होंगे मुख्य अतिथि

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) का 56वां दीक्षांत समारोह कल संस्थान के महात्मा गांधी सभागार में आयोजित किया जाएगा। भारतीय जन संचार संस्थान के कुलाधिपति, केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण, रेल एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकीमंत्री अश्विनी वैष्णव समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। समारोह में आईआईएमसी नई दिल्ली और इसके पांच क्षेत्रीय परिसरों ढेंकनाल, आइजोल, अमरावती, कोट्टायम और जम्मू के संकाय सदस्य और विद्यार्थी शामिल होंगे।आईआईएमसी के मीडिया विभाग ने आज बताया कि दीक्षांत समारोह में वर्ष 2023-24 बैच के विद्यार्थियों (आईआईएमसी दिल्ली और उसके सभी परिसरों) को पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा सर्टिफिकेट प्रदान किए जाएंगे। इसके अलावा 36 विद्यार्थियों को अलग-अलग पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा।

2050 तक तीन वैश्विक महाशक्तियों में से एक होगा भारत : रानिल विक्रमसिंघे

- भारत की अर्थव्यवस्था 2050 तक 30 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने दिल्ली में एनएक्सटी 2025 कॉन्क्लेव में भारत के उदय की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा की। उनके अनुसार, 2050 तक भारत अमेरिका और चीन के साथ वैश्विक महाशक्तियों में से एक होगा। विक्रमसिंघे ने भारत की अर्थव्यवस्था के विकास के अवसरों पर भी चर्चा की और बताया कि भारत केंद्रित सप्लाई चेन में आसियान देशों को जोड़कर नए अवसरों की सृजना करेगा। उन्होंने यह भविष्यवाणी की कि भारत की अर्थव्यवस्था 2050 तक 30 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगी। विक्रमसिंघे ने कहा ?कि मैं 1963 से भारत आ रहा हूं। अब आपको यह देखना होगा। भारत आर्थिक महाशक्ति बनने के लिए उड़ान भरने के चरम बिंदु पर पहुंच गया है। उन्होंने भारत के उदय को वह इंजन बताया जो पूरे दक्षिण एशिया को साझा समृद्धि के एक नए युग में ले जा सकता है। विक्रमसिंघे ने भारत के उदय से उत्पन्न आर्थिक अवसरों को लेकर भी अपना मत साझा किया।

सीडीएस जनरल चौहान आज से ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर रहेंगे

नई दिल्ली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान चार मार्च से चार दिवसीय ऑस्ट्रेलिया की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। अपनी सात मार्च तक की यात्रा के दौरान सीडीएस ऑस्ट्रेलियाई सैन्य अधिकारियों के साथ रक्षा सहयोग के क्षेत्र में भारत से गहराते संबंधों पर चर्चा करेंगे। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, अपनी यात्रा के दौरान जनरल चौहान ऑस्ट्रेलियाई रक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बल के सैन्य नेतृत्व के साथ व्यापक चर्चा करेंगे। इन बैठकों में ऑस्ट्रेलिया के रक्षा बल प्रमुख जनरल एडमिरल डेविड जॉनसन, उनके रक्षा सचिव ग्रेग मोरियार्टी और तीनों सेनाओं के प्रमुख शामिल होंगे।

यूपी में हथकरघा और वस्त्रोद्योग को नई ऊंचाई पर ले जा रही योगी सरकार

एजेंसी

लखनऊ। प्रदेश में हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग कृषि के बाद सबसे अधिक रोजगार प्रदान करने वाला विकेन्द्रीयकृत कुटीर उद्योग बनकर उभरा है। इस क्षेत्र में लगभग 1.91 लाख हथकरघा बुनकर एवं 80 हजार से अधिक परिवार इस कार्य में संलग्न हैं। वहीं, 2.58 लाख पावरलूम के माध्यम से 5.50 लाख से अधिक बुनकरों को रोजगार मिल रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने इस क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाओं की घोषणा की है। इससे बुनकरों और उद्यमियों को सीधा लाभ मिलेगा। राज्य में टेक्सटाइल पार्क की स्थापना के लिए 300 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। पीएम मित्र योजना के अंतर्गत बनने वाले ये पार्क वस्त्र उद्योग को आधुनिक तकनीकों से लैस करेंगे और उत्पादन लागत को कम करके उद्योग को प्रतिस्पर्धात्मक बनाएंगे। इससे उत्तर प्रदेश के कपड़ा उद्योग को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिलेगी। इसके अलावा योगी सरकार ने वस्त्र एवं परिधान उद्योग को गति देने के लिए उत्तर प्रदेश वस्त्र-गारमेंटिंग नीति 2022 लागू की है, जिसके सफल क्रियान्वयन के लिए बजट 2025-26 में 150 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। इस नीति का उद्देश्य उत्तर प्रदेश को परिधान निर्माण का प्रमुख केंद्र बनाना है। इससे निवेश को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय उद्यमियों को प्रोत्साहन मिलेगा।

राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य कल सुनेंगी महिलाओं की समस्याएं

एजेंसी

मीरजापुर। डा. अर्चना मजूमदार, सदस्य, राष्ट्रीय महिला आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली की अध्यक्षता में बुधवार को समय पूर्वान्ह 10:00 बजे से जिला पंचायत सभागार, मीरजापुर में राष्ट्रीय महिला आयोग आपके द्वार विषय पर महिला जन सुनवाई कार्यक्रम का आयोजन होना है। उक्त जन सुनवाई कार्यक्रम में कोई भी महिला या बालिका, जो किसी प्रकार की हिंसा, घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न या अन्य उत्पीड़न से पीड़ित हो या उन्हे किसी प्रकार की सहायता की आवश्यकता है, तो वे महिला बालिकायें आयोजित महिला जन सुनवाई कार्यक्रम में सदस्य के समक्ष उपस्थिति होकर अपने प्रकरण का निस्तारण करा सकती है। अधिक जानकारी के लिये जिला प्रोबेशन अधिकारी कार्यालय, मीरजापुर या वन स्टॉप सेन्टर, मीरजापुर से सम्पर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते है।

जबड़े की सर्जरी के बाद बदली महिला की आवाज, अचानक ब्रिटिश लहजे में करने लगी बात

एजेंसी

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया की रहने वाली किम हॉल नामक महिला की आवाज जबड़े की सर्जरी के बाद पूरी तरह बदल गई। 57 वर्षीय किम को जब पहली बार उनकी बहन और मां ने सुना, तो वे चौंक गईं क्योंकि उनकी आवाज अब ब्रिटिश लहजे में सुनाई दे रही थी। किम, जो न्यू साउथ वेल्स के गॉलबर्न में पली-बढ़ी थीं, उन्होंने पहले कभी इंग्लैंड की यात्रा भी नहीं की, लेकिन फिर भी उनकी बोलने की शैली पूरी तरह बदल गई।दरअसल किम को निचले जबड़े में स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा (एक प्रकार का कैंसर) था, जिसके इलाज के लिए उन्हें जबड़े की बड़ी सर्जरी करानी पड़ी। इस प्रक्रिया के कुछ दिनों बाद जब उन्होंने बोलना शुरू किया, तो सर्जन और उनके करीबी लोगों ने उनकी आवाज में आए बदलाव को नोटिस किया। शुरू में किम को लगा कि लोग मजाक कर रहे हैं, लेकिन जब बार-बार यह बात सुनने को मिली, तो उन्हें भी अहसास हुआ कि उनका उच्चारण पूरी तरह से बदल चुका है। किम ने बताया, कि कुछ लोग कहते हैं कि मेरी आवाज इंग्लैंड के यॉर्कशायर के लोगों जैसी लगती है, लेकिन मैंने कभी इंग्लैंड की यात्रा नहीं की, ना ही मुझे पता है कि वहां के लोग कैसे बोलते हैं।

अंतरिक्ष में फंसी सुनीता के लिए मदद लेकर पहुंचा रूसी स्पेसक्राफ्ट

एजेंसी

वॉशिंगटन। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) में कई महीनों से अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के दो एस्ट्रोनॉट्स-सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर फंसे हुए हैं। उनके और आईएसएस पर मौजूद अन्य एस्ट्रोनॉट्स के लिए राशन व अन्य सप्लाई भेजने का जिम्मा इस बार रूस का था। रूसी स्पेस एजेंसी रोस्कोमॉस का प्रोग्रेस 91 शनिवार को सफलतापूर्वक आईएसएस पर डॉक हुआ। यह यान तीन टन खाना, ईंधन और अन्य जरूरी सामान लेकर पहुंचा। यह स्पेसक्राफ्ट अगले छह महीने तक आईएसएस पर डॉक रहेगा। इसके बाद इसमें कचरा भरकर पृथ्वी पर लौटने की योजना है। नासा के एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर पिछले आठ महीने से आईएसएस पर फंसे हुए हैं, वे 5 जून 2024 को बोइंग के स्टारनर से अंतरिक्ष में गए थे, लेकिन तकनीकी खामियों के कारण वापसी संभव नहीं हो सकी। दोनों एस्ट्रोनॉट्स की वापसी मार्च के अंत तक हो सकती है लेकिन यह भी मौसम की स्थिति पर निर्भर करेगा।

नेतन्याहू ने हमास के खिलाफ लड़ाई में अमेरिकी सहयोग के लिए ट्रंप की प्रशंसा की

एजेंसी

तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा पट्टी में आतंकी समूह हमास के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका के सहयोग के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि ट्रंप दिखावा नहीं करते, वह दोस्ती को निभाते भी हैं। उन्होंने हमास को चेतावनी देते हुए कहा कि इजराइल गाजा में खाद्य आपूर्ति नहीं होने देगा। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक्स पर अपलोड किए वीडियो संदेश में यह बात कही। उन्होंने इस संदेश में वाशिंगटन की अपनी हालिया यात्रा का भी जिक्र किया और कहा कि डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस में इजराइल के अब तक के सबसे अच्छे दोस्त हैं। इजराइल गाजा के संदर्भ में उनकी दूरदर्शी योजना का पूरी तरह समर्थन करता है। अमेरिका ने रुकी हुई सैन्य आपूर्ति भेजकर अपना अटूट समर्थन दोहराया है। यही नहीं, इजराइल को ईरान की आतंकी धुरी के खिलाफ काम करने के लिए हर संभव मदद दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि गाजा पट्टी में अस्थायी युद्धविराम को 50 दिनों तक बढ़ाने की योजना है। इस दौरान स्थायी युद्धविराम की शर्तों पर चर्चा की जा सकती है। इस योजना के तहत हमास को आधे बंधकों को तुरंत रिहा करना होगा।

यूरोपीय देश रूस से यूक्रेन की रक्षा करेंगे: कीर स्टार्मर

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कल यहां अहम घोषणा की। उन्होंने रूस और यूक्रेन युद्ध पर कहा कि हम इतिहास में चौराहे पर हैं। यूरोपीय देश रूस से यूक्रेन की रक्षा करेंगे। जरूरत पड़ने पर रूस के खिलाफ गठबंधन तैयार किया जाएगा। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, स्टार्मर ने यह घोषणा लंदन में 18 यूरोपीय नेताओं की बैठक के बाद की। बैठक में यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने भी हिस्सा लिया। स्टार्मर ने कहा कि इस मसले पर कई अन्य देशों ने संकेत दिया है कि वह ब्रिटेन और फ्रांस के साथ हैं। कीव और मॉस्को के बीच संघर्ष विराम की स्थिति में यूक्रेन में सेना तैनात कर सकते हैं। उन्होंने यूक्रेन को 5,000 से अधिक वायु रक्षा मिसाइलें खरीदने के लिए ब्रिटिश निर्यात वित्तपोषण में 1.6 बिलियन पाउंड का उपयोग करने की अनुमति देने की योजना की भी घोषणा की। स्टार्मर ने कहा कि उन्होंने शनिवार रात अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात की है। उनका मानना है कि संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ आने पर सकारात्मक परिणाम सामने आ सकता सकता है। सीएनएन के अनुसार, लंदन के लैंकेस्टर हाउस में आयोजित शिखर सम्मेलन में कीर स्टार्मर ने कीव और वाशिंगटन के बीच मौजूदा तनाव महाद्वीप के लिए चिंता का विषय है। इसलिए यह अधिक बातचीत का क्षण नहीं है। यह कार्रवाई करने का समय है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के ओवल ऑफिस में जेलेंस्की के साथ जो हुआ, उससे मास्को का खुश होना स्वाभाविक है। स्टार्मर ने पत्रकारों से कहा कि वह लड़ाई रोकने की योजना तैयार करने के लिए फ्रांस और कुछ अन्य देशों के साथ काम कर रहे हैं। योजना के अंतिम रूप लेते ही उसे अमेरिका के सामने रखा जाएगा। जेलेंस्की को लंदन यात्रा में खूब महत्व दिया गया है।किंग चार्ल्स ने रविवार को अपने सैंड्रिंघम एस्टेट में जेलेंस्की से मुलाकात की।

हसीना के शासन में हुए मानवाधिकार उल्लंघनों का लेखा तैयार करें : यूनुस

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सलाहकार के मुख्य सलाहकार डॉ. मोहम्मद यूनुस ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी के कार्यकाल के दौरान हुए मानवाधिकार उल्लंघनों के व्यापक दस्तावेजीकरण की आवश्यकता पर जोर दिया है। यूनुस की टिप्पणी रविवार को संयुक्त राष्ट्र के स्थानीय समन्वयक ग्विन लुईस और संयुक्त राष्ट्र के स्थानीय समन्वयक कार्यालय की वरिष्ठ मानवाधिकार सलाहकार हुमा खान के साथ चर्चा के दौरान आई। यह मुलाकात राज्य अतिथि गृह जमुना में हुई। ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार उन्होंने शापला चत्तर में प्रदर्शनकारियों पर हिंसक कार्रवाई, डेलवर हुसैन सईदी के खिलाफ फैसले के बाद पुलिस की बर्बरता और वर्षों में गैर-न्यायिक हत्याओं जैसी घटनाओं की विशेष रूप से चर्चा की। यूनुस ने कहा कि देश के लोगों के खिलाफ किए गए सभी तरह के अत्याचारों के उचित दस्तावेजीकरण की आवश्यकता है। जब तक यह दस्तावेज तैयार नहीं हो जाता, न्याय सुनिश्चित करना मुश्किल है। लुईस ने उन्हें आश्वासन दिया कि संयुक्त राष्ट्र बांग्लादेश को इन उल्लंघनों का दस्तावेजीकरण करने की क्षमता बनाने में मदद करने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। यूनुस ने इसके लिए संयुक्त राष्ट्र का आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि संयुक्त राष्ट्र ने रिपोर्ट प्रकाशित की है। लुईस ने मुख्य सलाहकार को बताया कि संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क पांच मार्च को मानवाधिकार परिषद के 55वें सत्र के दौरान सदस्य देशों को रिपोर्ट के निष्कर्षों के बारे में जानकारी देंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की 13 से 16 मार्च तक बांग्लादेश की यात्रा रोहिंग्या संकट पर नए सिरे से वैश्विक ध्यान आकर्षित करेगी। लुईस ने कहा कि रोहिंग्या शरणार्थियों के लिए खाद्य आपूर्ति और अन्य बुनियादी जरूरतों को बनाए रखने के लिए प्रति माह 15 मिलियन डॉलर की आवश्यकता पड़ेगी।

ईरान की संसद ने वित्त मंत्री अब्दुल को पद से किया बर्खास्त

- संसद के कुल 273 सांसदो में से 182 मौजूद रहे

एजेंसी

तेहरान । ईरान की संसद ने वित्त मंत्री अब्दुल नसीर हिम्मती के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव को पारित कर उन्हें बर्खास्त कर दिया। ईरान में तेजी से बढ़ती महंगाई और रियाल की मूल्यमान में आंकड़े में भारी गिरावट के बाद यह फैसला आया। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने संसद में महाभियोग कार्यवाही के दौरान अपने वित्त मंत्री का बचाव भी किया। इस दौरान संसद के कुल 273 सांसदो में से 182 मौजूद रहे। ईरान की इकोनॉमी लंबे समय से संकट का सामना कर रही है। रविवार को चोर बाजार में रियाल की कीमत हर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 9 लाख 20 हजार के स्तर पर थी। बीते साल 2024 के मध्य में यह 6 लाख के स्तर पर थी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने ??पिछले वर्ष जुलाई में अर्थव्यवस्था में फिर से जान फूंकने और कुछ पश्चिम देशों से प्रतिबंध खत्म करने के लक्ष्य के साथ सत्ता संभाली थी। लेकिन इसके बाद भी रियाल की कीमतों में लगातार कमी आती रही और दिसंबर में ईरान समर्थिक सीरिया में बसर अल असद के सत्ता गंवाने के बाद इसकी हालात लगातार प्रतिदिन खराब होती रही है।

खास खबर

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गेंदबाजों के चयन ने बढ़ायी टीम प्रबंधन की मुश्किलें

दुबई । ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मंगलवार को होने वाले सेमीफाइनल मुकाबले में टीम इंडिया के लिए गेंदबाजों का चयन कठिन रहेगा। टीम के सभी गेंदबाज अभी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐस में किसे बाहर बैठाया जाये ये कठिन होगा। पिछले मैच में वरुण चक्रवर्ती ने शानदार प्रदर्शन कर अपना दावा भी पक्का किया है। टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के आखिरी लीग मैच में तेज गेंदबाज हर्षित राणा की जगह मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को मौका दिया था। वरुण ने धमाकेदार गेंदबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की आधी टीम को अकेले आउट कर दिया था। 42 रन देकर 5 विकेट लेने के लिए वरुण चक्रवर्ती को प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। ऐसे में उन्हें बाहर करना कठिन होगा। अगर इसी स्पिन कॉम्बिनेशन के साथ भारतीय टीम उतरती है तो आपके पास एकमात्र तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी होंगे, जबकि दूसरे तेज गेंदबाज की जिम्मेदारी हार्दिक पांड्या के पास रहेगी। गेंदबाजी के लिए चार और विकल्प भारत के पास होंगे पर वे चारों ही स्पिनर हैं। इनमें एक कुलदीप यादव, दूसरे रविंद्र जडेजा, तीसरे अक्षर पटेल और चौथे वरुण चक्रवर्ती हैं। अब अगर आप अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा में से किसी एक को खिलाएंगे तो फिर बाहर किस स्पिनर को करेंगे। वरुण आपके लिए पिछले मैच में पांच विकेट लिए हैं। इस मैच में कुलदीप यादव ने 2 विकेट निकाले हैं। अक्षर पटेल आपके लिए गेंद के साथ-साथ बल्ले से अच्छा योगदान दे रहे हैं। अगर ये तीनों स्पिनर खेलते हैं और किसी को बाहर बैठने के लिए कहा जाता है तो यह जडेजा हो सकते हैं, जो 2 ही विकेट तीन मैचों में ले पाए हैं।

विराट ओर जम्पा का मुकाबला रोमांचक होगा : रायुडू

दुबई । पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने कहा है कि मंगलवार को चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में विराट कोहली और ऑस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर एडम जम्पा के बीच मुकाबला रोमांचक रहेगा। विराट ने चैम्पियंस ट्रॉफी में इस बार एक शतक लगाया है और वह अच्छी लय में हैं पर साल 2017 से लेकर अब तक जम्पा ने कोहली को एकदिवसीय में पांच बार आउट किया है ऐसे में दुबई की धीमी पिचों पर उनकी राह आसानी नहीं है। विराट साल 2024 की शुरूआत से लेकर अब तक पांच बार लेग स्पिनरों के शिकार बने हैं। वह 48.68 की स्ट्राइक-रेट से जम्पा के केवल 37 रन बना पाये हैं।
रायुडू ने कहा, यह जाम्पा और विराट का मुकाबला होगा। विराट को हाल ही में लेग स्पिनरों के खिलाफ थोड़ा संघर्ष करना पड़ा है पर इस टूनार्मेंट में उन्होंने जिस तरह का प्रदर्शन किया है इससे लगता है कि वह अच्छी लय में हैं। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके लिए अच्छा रहेगा। विराट न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने 300 वें मैच में 11 रन पर आउट हो गए थे। रायुडू को लगता है कि किस्मत सिर्फ कोहली के साथ नहीं थी, क्योंकि वह 300 एकदिवसीय खेलने वाले सातवें भारतीय और कुल मिलाकर 22वें खिलाड़ी बने। रायुडू ने कहा, कीवी टीम के खिराफ मैच में उनसे उम्मीदें बहुत ज्यादा थीं।

शास्त्री और कुंबले बोले, वरुण को लगातार अवसर दिये जाएं

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच शास्त्री ने स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की जमकर प्रशंस करते हुए कहा है कि वह विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। इसलिए उन्हें लगातार अवसर दिये जाने चाहिये। शास्त्री ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में उसे अंतिम ग्याहर में जगह मिलनी चाहिये। वरुण ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतिम ग्रुप मैच में 42 रन देकर 5 विकेट लिए। शास्त्री ने कहा, ह्यमैं उससे काफी प्रभावित हूं। टीम प्रबंधन को पूरे अंक जाते हैं जिसने उसे उतारने का फैसला लिया। बीच के ओवरों में वह विकेट दिलाने वाला गेंदबाज है। यह सही समय है ।

भारत-ऑस्ट्रेलिया की टक्कर न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका आमने-सामने

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत मंगलवार को दुबई में खेले जाने वाले चैंपियंस ट्रॉफी के पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा। ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को अपने अंतिम ग्रुप-स्टेज मुकाबले में न्यूजीलैंड को 44 रनों से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई थी। वहीं, न्यूजीलैंड बुधवार को लाहौर में खेले जाने वाले दूसरे सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगा।

पेचीदा शेड्यूलिंग का असर

टूर्नामेंट के शेड्यूलिंग फैसलों के कारण ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका दोनों पहले ही दुबई पहुंच चुके थे। आईसीसी के एक अधिकारी ने बताया कि 4 मार्च को दुबई में सेमीफाइनल खेलने वाली टीम (ऑस्ट्रेलिया) को तैयारी के लिए अधिकतम समय देने का निर्णय लिया गया था। हालांकि, इससे दक्षिण अफ्रीकी टीम को असुविधा हुई, क्योंकि उन्हें दुबई से पाकिस्तान लौटना पड़ेगा।

न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका की यात्रा

न्यूजीलैंड सोमवार को दुबई से लाहौर के लिए उड़ान भरेगा, जबकि दक्षिण अफ्रीका लगभग 36 घंटे दुबई में बिताने के बाद पाकिस्तान लौटेगा। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनर ने कहा, ऱहम 12.30 या 1 बजे (दुबई) से निकलेंगे। हम वहां पहुंचकर आराम करेंगे, प्रशिक्षण लेंगे और पूरी तरह तैयार होंगे।

सेमीफाइनल को लेकर रोहित शर्मा का उत्साह

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा टीम के प्रदर्शन से संतुष्ट नजर आए। भारत चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप चरण में अपने सभी मैच जीतने वाली एकमात्र टीम रहा। न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के बाद रोहित ने कहा, इतने छोटे टूर्नामेंट में गति बनाए रखना बहुत महत्वपूर्ण है। हम हर मैच जीतने की कोशिश कर रहे हैं और गलतियों को जल्दी सुधारना ही सफलता की कुंजी है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले सेमीफाइनल को लेकर उन्होंने कहा, ऱयह एक बड़ा मुकाबला होने जा रहा है। हम जानते हैं कि ऑस्ट्रेलिया का आईसीसी टूर्नामेंट में शानदार रिकॉर्ड रहा है। यह हमारे लिए अपनी रणनीति सही तरीके से लागू करने का अवसर है। हमें इस मुकाबले का इंतजार है । और उम्मीद है कि हम एक और जीत दर्ज कर सकेंगे।

जोशुआ चेप्टेगी ने विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए किया क्वालीफाई

एजेंसी

नई दिल्ली । युगांडा के दिग्गज धावक जोशुआ चेप्टेगी ने जापान के टोक्यो में आयोजित मैराथन में शानदार प्रदर्शन करते हुए 2025 विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता चेप्टेगी ने रविवार को टोक्यो मैराथन में 2 घंटे 5 मिनट 59 सेकंड का समय निकालते हुए नौवां स्थान हासिल किया और विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए निर्धारित 2:06:30 के क्वालीफाइंग समय को पार कर लिया। इस रेस में इथियोपिया के टाडेस ताकेले ने पहला स्थान प्राप्त किया। चेप्टेगी ने क्वालीफाई करने पर खुशी जताते हुए कहा, ऱमैं बहुत उत्साहित हूं कि मैं अपनी दूसरी मैराथन में शीर्ष 10 में जगह बना सका। ट्रैक से मैराथन में आने के बाद से मैं अभी भी सीखने की प्रक्रिया में हूं। युगांडा के ही एक अन्य धावक, स्टीफन किस्सा, 25वें स्थान पर रहे लेकिन क्वालीफाइंग समय को पार करने में असफल रहे। गौरतलब है कि चेप्टेगी ने पिछले साल 42 किमी मैराथन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए 5,000 मीटर और 10,000 मीटर की दौड़ से हटने की घोषणा की थी। उन्होंने 2023 में वालेंसिया मैराथन में अपना डेब्यू किया था।

गुलमर्ग में 9 से 12 मार्च तक होंगे मुकाबल

एजेंसी

नई दिल्ली । खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2025 (केआईडब्ल्यूजी 2025) का दूसरा चरण अब जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में 9 से 12 मार्च तक आयोजित होगा। पहले यह खेल 22 से 25 फरवरी के बीच होने थे, लेकिन कंगडूरी स्लोप्स और गोल्फ कोर्स पर पर्याप्त बर्फ न होने के कारण इसे स्थगित करना पड़ा था। पहला चरण 23 से 27 जनवरी तक लद्दाख में आयोजित किया गया था, जहां आइस हॉकी और स्पीड स्केटिंग की प्रतिस्पधाएं हुई थीं। अब गुलमर्ग में होने वाले दूसरे चरण में अल्पाइन स्कीइंग, नॉर्डिक स्कीइंग, स्की माउंटेनियरिंग और स्नोबोर्डिंग के मुकाबले खेले जाएंगे।

खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2025

आयोजन समिति के बयान के अनुसार, जम्मू-कश्मीर में हुई ताजा बर्फबारी और मौसमी परिस्थितियों को देखते हुए अब खेलों के तकनीकी संचालन के लिए स्थिति अनुकूल पाई गई है। यह निर्णय इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि खेलों के स्थगन के बाद इसकी मेजबानी को लेकर संदेह बना हुआ था। गुलमर्ग में होने वाले खेलों में भारत के शीर्ष स्कीयरों के प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है, क्योंकि फरवरी में हुए एशियन विंटर गेम्स 2025 (हरबिन, चीन) के बाद अधिकतर खिलाड़ी उपलब्ध होंगे। इस बार खेल मंत्रालय भी शीतकालीन खेलों को विशेष बढ़ावा दे रहा है। पहली बार भारतीय दल को एशियन विंटर गेम्स में भाग लेने के लिए सरकारी वित्तीय सहायता भी दी गई थी। इस साल खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2025 से घरेलू खेल कैलेंडर की शुरूआत हुई। प्रधानमंत्री ने भी इन खेलों को बढ़ावा देने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि यह भारत को एक प्रमुख खेल राष्ट्र के रूप में स्थापित करने में मदद करेगा। लद्दाख में हुए पहले चरण में 19 टीमों ने भाग लिया, जिनमें राज्य, केंद्रशासित प्रदेश और संस्थान शामिल थे।

मुरादाबाद के 4 खिलाड़ियों को सिल्वर मेडल

एजेंसी

मुरादाबाद । अखिल भारतीय ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी हाकी प्रतियोगिता में मुरादाबाद के चार खिलाड़ियों ने हॉकी में सिल्वर मेडल हासिल किया है। सोमवार को विजेता खिलाड़ियों के मुरादाबाद पहुंचने पर उन्हें सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम सम्मानित किया गया। गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय उत्तराखंड में ऑल इंडिया हॉकी पुरुष अंतर विश्वविद्यालय चैंपियनशिप का आयोजन हुआ था। जिसमें अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी की टीम ने उपविजेता रहकर सिल्वर मेडल हासिल किया।

आईपीएल 2025 : केकेआर ने लॉन्च की थ्री-स्टार जर्सी, तीन खिताबी जीत को समर्पित

कोलकाता । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18वें सीजन के लिए अपनी नई जर्सी का अनावरण किया। इस बार टीम ने एक अनूठे अभियान के तहत ऱनंबर 3ऱ की थीम पर जोर दिया, जिसमें प्रशंसकों को केकेआर की तीन खिताबी जीत की याद दिलाई गई है। इस अभियान का आकर्षण थ्री स्टार डिजाइन रहा, जिसे जर्सी के फैब्रिक में शामिल किया गया है। ये तीन सितारे केकेआर के 2012, 2014 और 2024 में जीते गए तीन आईपीएल खिताबों का प्रतीक हैं। आधिकारिक जर्सी लॉन्च वीडियो में रिंकू सिंह, वेंकटेश अय्यर, रामदीप सिंह, मनीष पांडे, वैभव अरोड़ा, अनुकूल रॉय, मयंक मार्कंडे और लवनीत सिसोदिया जैसे खिलाड़ी नई जर्सी में नजर आए।

कृष्णा जयशंकर ने तोड़ा राष्ट्रीय रिकॉर्ड

माउंटेन वेस्ट इंडोर चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत की कृष्णा जयशंकर ने माउंटेन वेस्ट इंडोर ट्रैक एंड फील्ड चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की शॉट पुट स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। 22 वर्षीय कृष्णा ने 16.03 मीटर के प्रयास के साथ न केवल पोडियम पर जगह बनाई, बल्कि भारतीय इनडोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। नेवादा विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर रही कृष्णा ने शनिवार को हुए फाइनल में अपने अंतिम प्रयास में 16.03 मीटर का थ्रो फेंका, जिससे उन्होंने 2023 में महाराष्ट्र के पूणार्राव राणे द्वारा स्थापित 15.54 मीटर के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इस प्रतियोगिता में कोलोराडो विश्वविद्यालय की मैया लेंसर ने 19.02 मीटर के प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनके साथी गैबी मोर्न्स ने 17.09 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक पर कब्जा जमाया। न्यू मैक्सिको राज्य के अल्बुकर्क में आयोजित इस प्रतिष्ठित इनडोर प्रतियोगिता में कृष्णा के शानदार प्रदर्शन ने भारतीय एथलेटिक्स में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

मैक्सको में मैरिडा ओपन टेनिस में ट्रॉफी के साथ नजर आयीं अमेरिका की इमा नवारो।

वरुण ने स्टुअर्ट बिन्नी का रिकॉर्ड तोड़ा

एजेंसी

दुबई । भारतीय टीम के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले ही मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच विकेट लेकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इसी के साथ ही वरुण भारतीय टीम की ओर से अपने दूसरे ही एकदिवसीय में पांच विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड स्टुअर्ट बिन्नी के नाम पर था। स्टुअर्ट ने साल 2014 में अपने तीसरे ही एकदिवसीय मुकाबले में बांग्लादेश के खिलाफ 6 रन देकर 4 विकेट लिए थे। वहीं अब वरुण एकदिवसीय करियर में सबसे कम मैचों के अंदर पांच या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में इससे पहले भारतीय टीम की ओर से रविन्द जडेजा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 36 रन देकर पांच विकेट लिए थे। वरुण ने रिकॉर्ड बनाने के बाद कहा कि सबसे पहले तो मुझे शुरूआती दौर में घबराहट महसूस हुई। मैंने एकदिवसीय प्रारूप में भारत के लिए ज्यादा मैच नहीं खेले हैं पर जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, मुझे बेहतर महसूस हुआ।

रांची जिला वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 20 मार्च से

एजेंसी

रांची । रांची जिला वॉलीबॉल संघ के तत्वावधान में रांची जिला वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 20 मार्च 2025 से किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य जिले में वॉलीबॉल खेल को बढ़ावा देना और प्रतिभावान खिलाड़ियों को चयनित करना है। इस प्रतियोगिता में केवल रांची जिले की टीमें ही भाग ले सकती हैं। इच्छुक टीमें निम्नलिखित पदाधिकारियों से संपर्क कर 18 मार्च 2025 तक अपनी प्रविष्टियां जमा कर सकती हैं। प्रतियोगिता के सभी मैच ऑक्सीजन पार्क स्थित वॉलीबॉल मैदान में आयोजित किए जाएंगे। इस आयोजन के दौरान खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर श्रेष्ठ खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा, जो आगे जिले का प्रतिनिधित्व करने के अवसर प्राप्त करेंगे। रांची जिला वॉलीबॉल संघ सभी खेल प्रेमियों एवं संबंधित टीमों से आग्रह करता है कि वे अधिक से अधिक संख्या में प्रतियोगिता में भाग लें और इस आयोजन को सफल बनाएं।

संपर्क करें

विकास वर्मा (कार्यकारी अध्यक्ष),87895 00178
संजय ठाकुर (सचिव) - 9431176453.
विश्वजीत नन्दी,- (संयोजक) 6207743367,
उत्तम राज -9431358909
संजय कुमार,- 9431165909.
डॉ0 निशिकान्त - 9471710195

फीफा ने पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ से हटाया प्रतिबंध

एजेंसी

नई दिल्ली । फुटबॉल की विश्व नियामक संस्था फीफा ने पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ (पीएफएफ) पर लगे निलंबन को हटा लिया है। यह फैसला पीएफएफ असाधारण कांग्रेस द्वारा सुझाए गए संवैधानिक परिवर्तनों को मंजूरी मिलने के बाद लिया गया। पीएफएफ ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 27 फरवरी को पीएफएफ असाधारण कांग्रेस के सफल नतीजे के बाद फीफा ने पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ पर से निलंबन हटा दिया है और उसके पूर्ण सदस्यता अधिकार बहाल कर दिए हैं। संस्था ने आगे कहा कि वह फीफा और एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) के निरंतर समर्थन के लिए आभार व्यक्त करता है और पाकिस्तान फुटबॉल समुदाय को बधाई देता है।

तीसरी बार लगा था प्रतिबंध

फीफा ने 2017 और 2021 में तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के कारण पाकिस्तान पर दो बार प्रतिबंध लगाया था। 2019 में, संगठन ने पीएफएफ के संचालन और चुनावों की निगरानी के लिए एक सामान्यीकरण समिति गठित की थी। हाल ही में, 7 फरवरी 2025 को फीफा ने निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने वाले संविधान को न अपनाने के कारण पाकिस्तान पर तीसरी बार प्रतिबंध लगाया था। लेकिन अब फीफा द्वारा अनुमोदित संविधान में बदलाव के बाद पीएफएफ को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में हिस्सा लेने की अनुमति मिल गई है।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान की स्थिति

पाकिस्तान फुटबॉल टीम का प्रदर्शन बीते वर्षों में निराशाजनक रहा है। टीम 1962 मडेर्का कप और 1997 सैफ चैंपियनशिप में उपविजेता रही थी। हाल ही में, पाकिस्तान ने 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर में हिस्सा लिया, लेकिन सबसे निचले स्थान पर रहा। उसका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला ताजिकिस्तान के खिलाफ था, जिसमें उसे 0-3 से हार मिली थी। फीफा की ताजा रैंकिंग में पाकिस्तान 198वें स्थान पर है। अब टीम अगले 2027 एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में खेलेगी, जहां उसे सीरिया, म्यांमार और अफगानिस्तान के साथ मुकाबला करना है।

42वीं नेशनल सीनियर रोइंग चैंपियनशिप का भोपाल के बड़े तालाब पर आज

- पांच दिवसीय प्रतियोगिता में 23 राज्यों के 500 प्रतिभागी लेंगे हिस्सा

एजेंसी

भोपाल । मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के बड़े तालाब स्थित मध्य प्रदेश राज्य वाटर स्पोर्ट्स अकादमी, बोट क्लब पर 42वीं नेशनल रोइंग चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज शाम चार बजे इस पांच दिवसीय प्रतियोगिता का शुभारंभ करेंगे। इस प्रतियोगिता में 23 राज्यों के लगभग 500 प्रतिभागी भाग लेंगे। प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बताया कि 42वीं नेशनल सीनियर रोइंग चैंपियनशिप सात मार्च तक आयोजित होगी। मंत्री सारंग ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 14 इवेंट्स होंगे। दो इवेंट्स पैरा सिंगल स्कल महिला एवं पुरुष वर्ग भी शामिल है। 14 इवेंट्स के सभी फाइनल्स सात मार्च को संपन्न होंगे जिसमे सात इवेंट्स सुबह एवं सात की शाम होंगें। सभी स्पधाएं 2000 मीटर की दूरी पर आयोजित की जाएंगी।उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में देशभर की कुल 27 टीमों में से 23 राज्यों की एवं इंडियन आर्मी, इंडियन नेवी, इंडियन एयरफोर्स, और सर्विस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड की टीमों के 500 प्रतिभागी शामिल होंगे। उदघाटन अवसर पर मध्य प्रदेश राज्य वाटर स्पोर्ट्स अकादमी के खिलाड़ी रोइंग, क्याकिंग-केनोइंग, सेलिंग और स्लालम खेलों की विशेष प्रस्तुति देंगे। सारंग ने बताया कि इस प्रतियोगिता का लाइव प्रसारण एलईडी स्क्रीन के माध्यम से बोट क्लब सहित शहर के प्रमुख चौराहों पर किया जाएगा।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 : चोटिल मैट शॉर्ट की जगह कूपर कोनोली ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल

एजेंसी

दुबई । ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल से पहले अपनी चैंपियंस ट्रॉफी टीम में बदलाव किया है। ऑलराउंडर मैट शॉर्ट के चोट के कारण बाहर होने के बाद युवा बाएं हाथ के बल्लेबाज और स्पिनर कूपर कोनोली को टीम में शामिल किया गया है। शॉर्ट को अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले के दौरान चोट लगी थी, जिससे वे नॉकआउट मुकाबलों के लिए फिट नहीं हो सके। 21 वर्षीय कोनोली पहले से ही टीम के साथ यात्रा रिजर्व के रूप में मौजूद थे, जिससे वे तुरंत चयन के लिए उपलब्ध हो गए हैं।

सेमीफाइनल में भारत से मुकाबला, टीम संयोजन पर विचार ऑस्ट्रेलिया मंगलवार को दुबई में खेले जाने वाले सेमीफाइनल में भारत का सामना करेगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के बाद भारत सेमीफाइनल में पहुंचा है। टीम प्रबंधन अब यह तय करेगा कि कोनोली को सीधे प्लेइंग इलेवन में शामिल किया जाए या फिर विकल्पों पर विचार किया जाए। यदि चयनकर्ता शीर्ष क्रम में बदलाव करना चाहते हैं, तो जेक फ्रेजर-मैकगर्क को मौका दिया जा सकता है। वहीं, यदि टीम एक अतिरिक्त स्पिनर चाहती है, तो तनवीर संघा के चयन पर विचार किया जा सकता है। स्पिनरों की भूमिका अहम, जम्पा ने दी प्रतिक्रिया दुबई की पिच को देखते हुए स्पिनरों की अहम भूमिका होगी। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में 37.3 ओवर की स्पिन गेंदबाजी कराई थी, जिसमें वरुण चक्रवर्ती ने 42 रन देकर 5 विकेट झटके थे। ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर एडम जम्पा क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हवाले से कहा, ऱटूनार्मेंट की प्रकृति को देखते हुए हमें अलग-अलग परिस्थितियों में खेलना पड़ा है। पाकिस्तान और दुबई की परिस्थितियों में थोड़ा अंतर है। पिच धीमी हो सकती है, जिससे विकेट लेने के और मौके बन सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं अपनी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी कर रहा हूं, लेकिन इसके बावजूद टीम के लिए योगदान देना और अहम विकेट लेना मेरे लिए महत्वपूर्ण है। भारत से वनडे में आखिरी भिड़ंत विश्व कप फाइनल में वनडे क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया और भारत की आखिरी भिड़ंत 2023 वनडे विश्व कप फाइनल में हुई थी, जहां भारत ने जीत दर्ज की थी। यदि ऑस्ट्रेलिया इस बार सेमीफाइनल जीतता है, तो वे फाइनल के लिए लाहौर लौटेंगे, जबकि हार की स्थिति में फाइनल दुबई में खेला जाएगा। सेमीफाइनल मुकाबले को लेकर दोनों टीमें अपनी रणनीति अंतिम रूप देने में जुटी हैं ।

पूजन कक्ष से जुड़े वास्तु के नियम

आस्था और विश्वास के साथ जब हम अपने घर में ईश्वर को स्थान देते हैं, तो परिवार के लिए सुख-समृद्धि की कामना भी करते हैं। घर पर देवी-देवताओं की कृपा बनी रहे, पूजा-पाठ का पूर्ण लाभ मिल सके इसके लिए आवश्यक है कि पूजाघर वास्तु नियमों के अनुसार होना चाहिए अन्यथा गलत दिशा में की गई पूजा से लाभ होने की बजाय आपको परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। मानसिक स्पष्टता और प्रज्ञा की दिशा उत्तर-पूर्व (ईशान) पूजा करने के लिए आदर्श स्थान है क्योंकि यह कोण पूर्व एवं उत्तर दिशा के शुभ प्रभावों से युक्त होता है। घर के इसी क्षेत्र में सत्व ऊर्जा का प्रभाव शत-प्रतिशत होता है।

पूजा करते समय मुख की दिशा
सामान्य तौर पर पूजा करते वक्त मुख पूर्व या उत्तर दिशा की ओर करना चाहिए। वास्तु ग्रंथों में कहा गया है कि धन प्राप्ति के लिए उत्तर दिशा एवं ज्ञान प्राप्ति के लिए पूर्व दिशा की ओर मुख करके की गई पूजा चमत्कारिक लाभ देती है।

किस देवता के लिए कौनसी दिशा
प्रत्येक दिशा के अपने देवता हैं जो उस दिशा का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिए उस क्षेत्र के देवता का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए उस दिशा विशेष में ही पूजा करना उत्तम रहता है,जैसे देवी माँ और हनुमान जी की पूजा दक्षिण दिशा में,धन की दिशा उत्तर में गणेश,लक्ष्मी जी एवं कुबेर की व उत्तर-पूर्व दिशा में शिव परिवार,राधा-कृष्ण और पूर्व दिशा में श्री राम दरबार,भगवान विष्णु की आराधना एवं सूर्य उपासना करने से परिवार में सौभाग्य की वृद्धि होती है।शिक्षा की दिशा पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम में विद्यादायिनी माँ सरस्वती की पूजा करने से ज्ञान में वृद्धि होती है।पश्चिम दिशा में गुरु,महावीर स्वामी,भगवान बुद्ध,जीसस की पूजा शुभ फल प्रदान करती है।संबंधों और जुड़ाव की दिशा दक्षिण-पश्चिम में पूर्वजों की पूजा सुख-समृद्धि प्रदान करेगी।

पूजा के नियम
पूजा स्थल में सुबह -शाम नियमित रूप से दीपक जलाना एवं शंख ज़रूर रखना चाहिए। ऐसा करने से नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होकर परिवार में सुख-सौहार्द का वातावरण बनेगा। कभी भी सूखे हुए पुष्प पूजा घर में न रखें, वास्तु में इसे शुभ नहीं माना गया है। पूजा घर में किसी भी प्रकार सात्विक रंग जैसे हल्का हरा,पीला,जामुनी या क्रीम रंग का यहां प्रयोग करने से मन को शांति मिलती है।

इन बातों का रखें ध्यान
- पूजाघर के नीचे या ऊपर शौचालय नहीं होना चाहिए।
- पूजाघर में महाभारत की प्रतिमाएं,प्राणी तथा पक्षियों के चित्र नहीं होने चाहिए। दिवंगतों की तस्वीरें भी यहां नहीं रखे।
- पूजाघर में धन-संपत्ति छुपाकर रखना शुभ नहीं माना गया है।
- यहां पर कोई भी खंडित तस्वीर या मूर्ति नहीं होनी चाहिए।
- दक्षिण-पश्चिम की दिशा में निर्मित कमरे का प्रयोग पूजा-अर्चना के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

हार्ट अटैक की ऐसे करें पहचान..

आजकल हार्ट अटैक तेजी से युवाओं को अपनी चपेट में ले रहा है। हार्ट अटैक एक गंभीर बीमारी है जिसमें दिल की धमनियां अचानक ब्लॉक हो जाती हैं। पहले यह समस्या केवल 40-50 साल की उम्र के बाद ही देखने को मिलती थी, लेकिन आजकल 30 साल से भी कम उम्र के बहुत से युवा इसके शिकार हो रहे हैं। इसके पीछे खराब लाइफस्टाइल, तनाव भरी जिंदगी और गलत खान-पान जैसे कई कारण हैं,लेकिन कई बार हमारे शरीर में कुछ बदलाव होते हैं, लेकिन हम होनें इग्नोर कर देते हैं लेकिन यह बदलाव हार्ट अटैक जैसी जानलेवा बीमारी की शुरुआती संकेत हो सकते हैं आइए जानते हैं यहां...

सीने में दर्द होना
हार्ट अटैक में सीने में जो दर्द होता है वह काफी तेज और लगातार चलने वाला होता है। यह दर्द आमतौर पर छाती के भीतरी हिस्से में होता है।सांस लेने चलने पर भी दर्द हो रहा है तो समझना चाहिए यह हार्ट अटैक का संकेत हैं ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

थकान महसूस होना
अगर आप बिना किसी फिजिकल एक्टिविटी के भी बहुत थकान महसूस कर रहे हैं। यह हार्ट के पहले का संकेत हो सकता है। कई बार जरा से काम करने के बाद सीढ़ियां चढ़ने या थोड़ी दूर चलने पर सांस लेने में तकलीफ होने लगता है ऐसे में यह हार्ट अटैक के पहले का संकेत हो सकता है। ऐसा महसूस होतो तुरंत डॉक्टर से दिखाएं।

बायां हिस्से में कमजोरी
हार्ट अटैक की शुरुआत में शरीर के बाएं हिस्से में कमजोरी का अहसास होना एक आम लक्षण है। बिना किसी वजह के बाएं हाथ, कंधे या जबड़े में कमजोरी या दर्द महसूस हो तो इसे हल्के में न लें।

तेज पसीना आना
हार्ट अटैक से पहले कई बार शरीर में कुछ असामान्य लक्षण दिखाई देने लगते हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इनमें से एक है - बिना किसी वजह के तेज पसीना आना। यदि आपको बैठे-बैठे, सोते समय या फिर कम गर्मी में भी अचानक तेज पसीना आने लगे, तो इसे हल्के में न लें। कई बार हार्ट अटैक से पहले शरीर से तेज़पसीना आना इसका एक संकेत हो होता है। ऐसी स्थिति में तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें और जांच कराएं। समय रहते इलाज से हार्ट अटैक होने से बचा जा सकता है।

सर्दियों में करें ज्यादा से ज्यादा घी का इस्तेमाल

डॉक्टर से लेकर हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक सर्दियों में ज्यादा से ज्यादा घी का इस्तेमाल अपने खाने में करना चाहिए। अक्सर यह बात कहा जाता है कि 1 चम्मच देसी घी आपको कई तरह की बीमारियों से दूर रखती है। सिर्फ इतना ही नहीं गुनगुने पानी में घी डालकर पीने से मोटापा तो कम होता ही है साथ पेट भी साफ रहता है यानि कब्ज की समस्या से भी निजात मिलता है। इन सब के अलावा सर्दी-खांसी और फ्लू जैसी सीजनल बीमारियों में भी आराम मिलता है। आज आपको इस आर्टिकल के जरिए बताएंगे कि सर्दियों में घी का इस्तेमाल किस तरह से करना चाहिए साथ ही जानेंगे इसे पीने का सही वक्त क्या है?

आजकल की मॉर्डन लाइफस्टाइल हमें हमारी पुरानी चीजों से दूर लेती चली जा रही है। अब की यंग जेनरेशन इसलिए घी नहीं खाती है,क्योंकि वह आधा से ज्यादा वक्त डाइटिंग पर रहते हैं या उन्हें लगता है कि वह घी खाएंगे तो मोटे हो जाएंगे। अब सवाल यह उठता है कि घी को डाइट में शामिल करना चाहिए या नहीं? अधिकतर लोगों को ऐसा लगता है कि घी खाने से मोटे हो जाएंगे। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि यह बहुत बड़ा मिथ है। घी खाने से आप बिल्कुल भी मोटे नहीं होंगे। हद से ज्यादा घी वजन बढ़ाता है तो यह वजन घटाने के भी काम आता है। अगर आपको घी का भरपूर फायदा उठाना है तो आपको इसके इस्तेमाल करने का तरीका बदलना होगा। घी का भरपूर फायदा उठाना है तो इसे आप गुनगुने पानी के साथ इस्तेमाल करें।

सबसे पहले सुबह उठकर एक गिलास गुनगुना पानी लें उसमें एक चम्मच देसी घी मिलाकर पी लें। इसे पीने से कब्ज की समस्या से निजात मिलेगा साथ ही पाचन भी बेहतर होता है। सिर्फ इतना ही नहीं आपको त्वचा के ग्लो में भी फर्क दिखने लगेगा।

गुनगुने पानी में घी डालकर पीने के फायदे
कब्ज की समस्या से निजात
जिन लोगों को अक्सर कब्ज की शिकायत होती है उन्हें तो गुनगुने पानी में देसी घी मिलाकर जरूर पीना चाहिए। इससे बड़ी और छोटी दोनों आंत की ड्राईनेस खत्म होती है।और पाचन क्रिया बेहतर होता है।

आंखों के लिए है फायदेमंद
देसी घी आंखों, स्किन, पेट और बाल सभी के लिए काफी अच्छा होता है। यह कूलिंग एजेंट की तरह काम करता है। देसी घी में ओमेगा-3 होता है जो आंखों की रोशनी बढ़ाने का काम करती है। आई ड्राईनेस को भी कम करता है। इसलिए गुनगुने पानी में पीने से फायदा मिलता है।

त्वचा के लिए होता है अच्छा
देसी घी पीने से ग्लोइंग स्किन होता है। आपकी स्किन की ड्राईनेस अंदर से कम करती है। गुनगुने पानी में घी डालकर पीने से आंत अंदर से साफ होती है। साथ ही साथ बॉडी में जमा टॉक्सिक बाहर निकलता है। जिसके कारण स्किन ग्लो करता है।

कोल्ड और कफ की समस्या से निजात
रोजाना खाली पेट गुनगुना पानी में घी मिलाकर पीने से सर्दियों में होने वाले कोल्ड-कफ की समस्या से निजात मिलता है। देसी घी और गर्म पानी साथ में मिलकर नाक, गले और छाती में होने वाले इंफेक्शन को दूर करता है।

विंटर डिप्रेशन से बचने के उपाय

ठंड के साथ शरीर में आलस बढ़ता है। जब-जब मौसम में बदलाव होता है तो उसका असर मूड पर भी पड़ता है। कुछ लोगों में ये डिप्रेशन का रूप ले सकता है। दरअसल, सर्दियों में कई-कई दिनों तक धूप के दर्शन नहीं होते हैं। इसका सीधा असर हमारे मूड पर पड़ता है। इस दौरान बहुत से लोगों में चिड़चिड़ापन आने लगता है, उन्हें उदासी घेर लेती है और बात-बात पर गुस्सा आने लगता है। इसे विंटर डिप्रेशन कहा जाता है। एक स्टडी के अनुसार, ऐसा सूर्य की रोशनी की वजह से होता है, क्योंकि इसका मूड से गहरा नाता होता है। यही कारण है कि सर्दी के दिनों में धूप खिलने पर मूड अच्छा हो जाता है और धूप न निकलने पर मूड बिगड़ जाता है। ऐसे में आइए जानते हैं क्या है विंटर डिप्रेशन और इससे बचने के उपाय..

विंटर डिप्रेशन और इसका कारण
सर्दियों में हमारी बॉडी की बायोलॉजिलक क्लॉक में बदलाव होना काफी कॉमन होता है। कम धूप की वजह से सेरोटोनिन लेवल में कमी आ जाती है, जिससे विंटर डिप्रेशन की समस्या होती है। हमारे देश में हर साल ठंड के मौसम में करीब 1 करोड़ लोग विंटर डिप्रेशन की चपेट में आते हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि सुबह की धूप दिमाग के जागने और अलर्ट रहने के लिए बहुत ही ज्यादा आवश्यक होता है।

सुबह की धूप क्यों जरूरी
सर्दियों में सुबह की धूप जरूरी मानी जाती है। ऐसा इसलिए क्योंकि हमारे दिमाग से स्ट्रेस हॉर्मोन कॉर्टिसॉल रिलीज होता है, जो हमें जागने और अलर्ट रहने के लिए तैयार करता है। सुबह की धूप से हेल्दी कॉर्टिसॉल शरीर को मिल जाता है और डिप्रेशन से बचाव होता है। सुबह की धूप से हैप्पी हॉर्मोन डोपामाइन भी निकलता है, जिससे मन खुश होता है। इससे मन मोटिवेट भी रहता है।

विंटर डिप्रेशन से बचने के लिए क्या करें
सर्दी के मौसम में सुबह की धूप सेहत के लिए अच्छी मानी जाती है। यह मानसिक सेहत के लिए भी बेहतर होती है। सर्दियों में धूप से बचने की बजाय धूप में कुछ देर बितना चाहिए। खुली जगह धूप में बैठने से शरीर में विटामिन डी की कमी नहीं होगी और सीजनर अफेक्टिव डिसऑर्डर जैसे थकान, चिड़चिड़ापन, सुस्ती और मूड स्विंग से भी बच सकते हैं।

बच्चे को जिम्मेदारी सिखाने के तरीके

छोटे बच्चे मासूम होते हैं और उनके नन्हें कंधे भारी जिम्मेदारियां निभाने के लिए जल्दी तैयार नहीं होते हैं, लेकिन बचपन से ही जब हम बच्चों को उदाहरण देकर जिम्मेदारी लेना सिखाएंगे तो वे बड़े होने तक निर्भीक और आत्मविश्वास भरा जीवन जीने में सक्षम होंगे। कुछ बच्चे जिद कर के अपने पेरेंट्स की बात नहीं सुनते हैं और हर काम में लापरवाही बरतते हैं। कोई भी पैरेंट ये नहीं चाहता कि उनका बच्चा लापरवाह रहे, वे हर वो प्रयास करते हैं जिससे उनका बच्चा जिम्मेदार बन जाए। आइए जानते हैं कि कैसे कुछ आसान तरकीब अपना कर आप अपने बच्चे को बना सकते हैं जिम्मेदार और काबिल :

-बच्चे को इस उम्मीद और विचार से बड़ा करें कि हम जो गंदगी फैलाते हैं, उसे खुद ही साफ करना पड़ता है। बच्चे को जिम्मेदारी सिखाने की ये सबसे पहली सीढ़ी हो सकती है।

-बच्चे को अपने काम खुद करने की आदत डालें। शुरुआत करें ब्रश करवाने से। पहले उन्हें खुद ही ब्रश करने को बोलें। जब वे कर लें, तब भले ही एक बार चेक करके आप सफाई की तसल्ली कर लें।

-इसी तरह धीरे-धीरे उन्हें अपने कपड़े फोल्ड करने को बोलें, उसे अपने कपबर्ड में रखना सिखाएं। ऐसी छोटी आदतों से ही वे बड़े-बड़े काम भी उम्र के साथ सीखते जाएंगे और जिम्मेदारी से अपने सभी काम करने लगेंगे।

-बच्चों की तारीफ करें। जब भी वे एक छोटा-सा भी काम खुद से बिना बोले करें तो उनकी तारीफ करें। ये सोचना गलत है कि तारीफ करने से बच्चे बिगड़ जाते हैं। बल्कि तारीफ करने से बच्चे और भी जिम्मेदारी उठाने के लिए प्रेरित होते हैं और साथ ही उनमें और भी काबिल बनने की इच्छा उत्पन्न होती है।

-एक साथ कई काम न दें। जब आप बच्चे पर एकसाथ कई कामों की जिम्मेदारी थोपने की कोशिश करते हैं और फिर उनसे उम्मीद करते हैं कि वे सबकुछ अच्छे से करें, तो ये आपकी अतिश्योक्ति उम्मीद है।

-अपनी उम्मीदों को सीमित रखें। छोटे-छोटे काम करने को दें और उनके सभी छोटे बड़े प्रयासों की सराहना करें। एक साथ कई काम देख कर वे घबरा सकते हैं या काम से ऊब सकते हैं जिससे वे जिम्मेदार नहीं बनते।

हेल्थ को दुरुस्त रखने के टिप्स

हम हमेशा अपनी शारीरिक हेल्थ का ज्यादा ध्यान रखते है लेकिन हम भूल जाते है कि हमारी मेंटल हेल्थ भी हमारे लिए उतनी ही जरूरी है जितनी कि शारीरिक हेल्थ। इसलिए उसको दुरूस्त रखना भी उतना ही ज्यादा जरूरी है जितनी की फिजिकल हेल्थ को रखना। हालांकि दोनों अलग अलग नहीं है। अगर हम एक हेल्दी रूटीन फॉलो करें तो हमारी शारीरिक और मानसिक दोनों ही हेल्थ बढ़िया रहेंगी। तो चलिए एक्सपर्ट से जानते है कि वो कौन से आदतें हैं जिन्हें हम अपनी रोजर्मरा की जिंदगी में जोड़कर अपने ब्रेन फंक्शन और मेंटल हेल्थ को दुरूस्त रख सकते हैं।

1. ***पर्याप्त नींद लें*** :- एक साउंड स्लीप आपके मांइड को सबसे ज्यादा रिलेक्स करती है। डॉक्टर के मुताबिक सही समय पर सोना और सही समय पर जागना आपकी मेंटल हेल्थ पर डायरेक्ट इम्पैक्ट डालता है। इसलिए एक निश्चित समय पर सोने का रूटीन बनाएं और बिना रूकावट वाली 6-8 घंटे की नींद अवश्य लें। आपका माइंड जितना रिलैक्स होगा वो उतना बेहतर परफार्म करेगा। इससे आपका दिमाग फोक्सड होता है और आपकी एकाग्रता बढ़ती है जिससे आप अच्छा परफार्म करते हैं।

2. ***रोजाना एक्सरसाइज करें*** :- रोजाना एक्सरसाइज का नियम आपको शारीरिक रूप से हेल्दी रखने के साथ साथ आपको मानसिक रूप से भी मजबूत बनाता है। रोजाना 15 से 30 मिनट की वॉक या एक्सरसाइज से आपकी मेंटल हेल्थ दुरूस्त रहती है। जब आप एक्सरसाइज करते है तो आपकी बॉडी में हैप्पी हार्मोंस जनरेट होते है जिससे आप शांत और स्वस्थ महसूस करते हैं।

3. ***हेल्दी और बैलेंस्ड डाइट लें*** :- डॉक्टर ने बैलेंस्ड और शांत दिमाग के लिए बैलेंस्ड और हेल्दी डाइट को जरूरी बताया है। जैसा कि कहा जाता है जैसा आपका अन्न वैसा आपका मन। हमारे शास्त्रों में भी वर्णित है कि हमारे आहार का सीधा असर हमारे मन पर पड़ता है। इसलिए सात्विक और हेल्दी खाना खाएं ताकि आपका दिमाग शांत और टेंशन फ्री रहें।

4. ***नशे से दूर रहें*** :- डॉक्टर के अनुसार किसी भी तरह के नशे की आदत आपकी मेंटल हेल्थ को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाती है। इसलिए हमें किसी भी तरह की नशे की लत से बचना चाहिए।

5. ***सोशल कनेक्ट बनाएं*** :- अगर आप अपने दोस्तों, परिवारजनों और रिश्तेदारों से जितना अच्छा कनेक्ट रहते है आपकी मेंटल हेल्थ उतनी ही अच्छी रहती है। इसलिए लोगों से बात कीजिए और अपनी बात को शेयर कीजिए। क्योंकि बातें शेयर करने से आपका मन हल्का होता है और शांत महसूस करते हैं।

सैलरी को सही से मैनेज करने के कुछ टिप्स

आजकल लोग चाहे जितनी भी कमाई कर लें उन्हें कम ही पड़ती है। दरअसल समय के साथ-साथ लोगों की जरूरतें भी उस हिसाब से बढ़ने लगती हैं और महंगाई के हाल से तो सब वाकिफ ही हैं। ऐसे में सभी को अपने सैलरी को सही से मैनेज करना आना चाहिए। चलिए जानते हैं पैसे को सही से मैनेज करने के कुछ टिप्स के बारे में..

बजट तैयार
अगर आप अपने खर्चों को मैनेज करना चाहते है तो बजट बनाना सबसे ज्यादा जरूरी है। इसके लिए आपको अपनी इनकम और खर्चों पर नजर रखने से शुरुआत करें। फिर किराने का सामान। बिजली और पानी के बिल, मनोरंजन और बचत अलग अलग बात कर खर्च तैयार करना चाहिए।

अपने खर्चों को सीमित करें
अनावश्यक खर्च से बचना भी जरूरी है। इसके लिए आप गैर-जरूरी चीजों में कटौती कर सकते हैं बल्कि उसकी जगह आप सस्ता विकल्प ढूंढें।

अकेले ज्यादा ना खर्च
अगर आप दोस्तों के साथ घूमने और पार्टी करने के शौकीन हैं तो आप सभी दोस्तों में खर्चा बराबर बांटे, जिससे आप एंजॉय और बचत दोनों ही साथ में आसानी से कर सकते हैं।

50-30-20 रूल
इस रूल का मतलब कमाई-खर्च और बचत से होता है। यानी जितने रुपए आप कमाते हैं उसमें से 50 प्रतिशत हिस्सा घर-परिवार की जरूरतों में खर्च हो जाता है। उसमें से बचे 50 प्रतिशत को आपको सही से मैनेज करना होता है। जिसमें से 30 प्रतिशत आप अपने शौक जैसे कि शॉपिंग और पार्टी के लिए उपयोग कर सकते हो। फिर बचा 20 प्रतिशत जिसे आपको जरूर बचाना है। आपको भविष्य में इससे रुपए को मैनेज करने में बहुत मदद मिलेगी।

सिकंदर की स्क्रिप्ट में आखिरी समय पर हुआ बदलाव, सलमान खान ने फिल्माया फिल्म का पोस्ट-क्रेडिट गाना

सलमान खान ने हाल ही में सऊदी अरब में एक अंतर्राष्ट्रीय फिल्म के लिए अपने हिस्से की शूटिंग पूरी की है। सुपरस्टार 24 फरवरी को खाड़ी में वापस लौटे और बीते दिन सिकंदर के लिए फिर शूटिंग की। दरअसल, एआर मुरुगादोस की एक्शन फिल्म की शूटिंग पूरी तरह से खत्म होने वाली है, लेकिन इस बीच निर्माताओं ने आखिरी समय में एक पोस्ट-क्रेडिट गाना शामिल करने का फैसला किया। टीम वर्तमान में गोरेगांव के फिल्म सिटी में रॉयल गोल्ड स्टूडियो में फुट-टैपिंग नंबर की शूटिंग कर रही है।

आखिरी समय पर जोड़ा गया गाना

रिपोर्ट्स के अनुसार, यह गाना आखिरी समय में जोड़ा गया था, लेकिन सलमान और निर्माता साजिद नाडियाडवाला को लगा कि यह दर्शकों का ध्यान खींचने का एक शानदार तरीका होगा। इसे बहुत बड़े पैमाने पर शूट किया जा रहा है और यह प्रमोशनल धमाकेदार अभियान का एक अभिन्न हिस्सा होगा।

इस दिन पूरी होगी फिल्म की शूटिंग

अगर सबकुछ योजना के मुताबिक हुआ तो अगले हफ्ते तक टीम इस ट्रैक को पूरा कर लेगी। इसके साथ ही मुरुगादॉस 8 मार्च को सिकंदर की शूटिंग पूरी कर लेंगे, जिसमें रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में हैं। यह शूटिंग शुरुआती योजना से थोड़ी देर बाद होगी। टीम को राजकोट में दो दिन शूटिंग करनी थी, लेकिन वे हिस्से पहले ही मुंबई में शूट हो चुके हैं।

सलमान खान के लिए खास गाना

फिल्म की टीम के अनुसार, सलमान की फिल्मों में गानों की भूमिका हमेशा अहम रही है, चाहे वह जुम्मे की रात हो या स्वैग से स्वागत। इस ट्रैक के लोगों की यादों में बने रहने की उम्मीद है। इस वजह से आखिरी समय पर फिल्म में यह गाना डाला गया है, ताकि यह चार्टबस्टर बन सके। वहीं, इस साल का सबसे मशहूर गाना भी हो।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

वहीं, बात करें सिकंदर के कलाकारों के बारे में तो एआर मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रश्मिका मंदाना और काजल अग्रवाल भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। सलमान के साथ यह रश्मिका की पहली फिल्म है। यह फिल्म ईद के मौके पर 28 मार्च, 2025 को सिनेमाघरों में आने वाली है।

फिल्में हैं पहला प्यार लव लाइफ के बारे में बोलीं सामांथा रुथ प्रभु

सामांथा रुथ प्रभु ने तकरीबन एक साल के बाद फिल्म इंडस्ट्री में दोबारा कदम रखा है। वह मायोसाइटिस बीमारी से जूझ रही थीं। सिटाडेल फिल्म की एक्ट्रेस ने फिल्म में लौटने को लेकर अपना अनुभव साझा किया है। उन्होंने बताया है कि यह उनका पहला प्यार है।

इन प्रोजेक्ट पर काम करने वाली हैं सामांथा

सामांथा रुथ प्रभु ने एक इंटरव्यू में अपने आने वाले प्रोजेक्ट के बारे में बात ही है। सामांथा ने बताया है कि वह जल्द ही बंगाराम फिल्म से बतौर फिल्म निर्माता डेब्यू करने वाली हैं। उन्होंने बताया है कि रक्त ब्रह्मांड सीरीज को भी प्रोड्यूज करने वाली हैं। यह सीरीज अभी प्रोडक्शन फेज में है।

फिल्म है सामांथा का पहला प्यार

सामांथा रुथ प्रभु ने बताया मुझे जल्द ही रक्त ब्रह्मांड को खत्म करके दूसरी फिल्मों का काम पूरा करना है, जो अगले महीने में रिलीज होने वाली हैं। एक या दो महीने में बहुत काम हैं जो खत्म करने हैं। उन्होंने फिल्मों को लेकर अपने प्यार के बारे में बताया है। मुझे लगता है कि फिल्मों से मेरी दूरी अब खत्म हो चुकी। यह मेरा पहला प्यार है। सामांथा रुथ प्रभु को पिछली बार सिटाडेल; हनी बनी में वरूण धवन के साथ देखा गया था। फिल्म का निर्देशन राज डीके ने किया था।

लव लाइफ को प्राइवेट रखेंगी

सामांथा रुथ प्रभु ने इंटरव्यू में बताया है कि अपनी लव लाइफ को बहुत प्राइवेट रखेंगी। उन्होंने कहा कि सामांथा सिंगल हैं। मुझे नहीं लगता कि मैं दोबारा अपनी लव लाइफ के बारे में किसी से बात करूंगी। ये ये मेरी जिंदगी का हिस्सा है, मैंने इसे बहुत ही निजी रखने के बारे में सोचा है। मैं इसके बारे में दोबारा बात नहीं करूंगी।

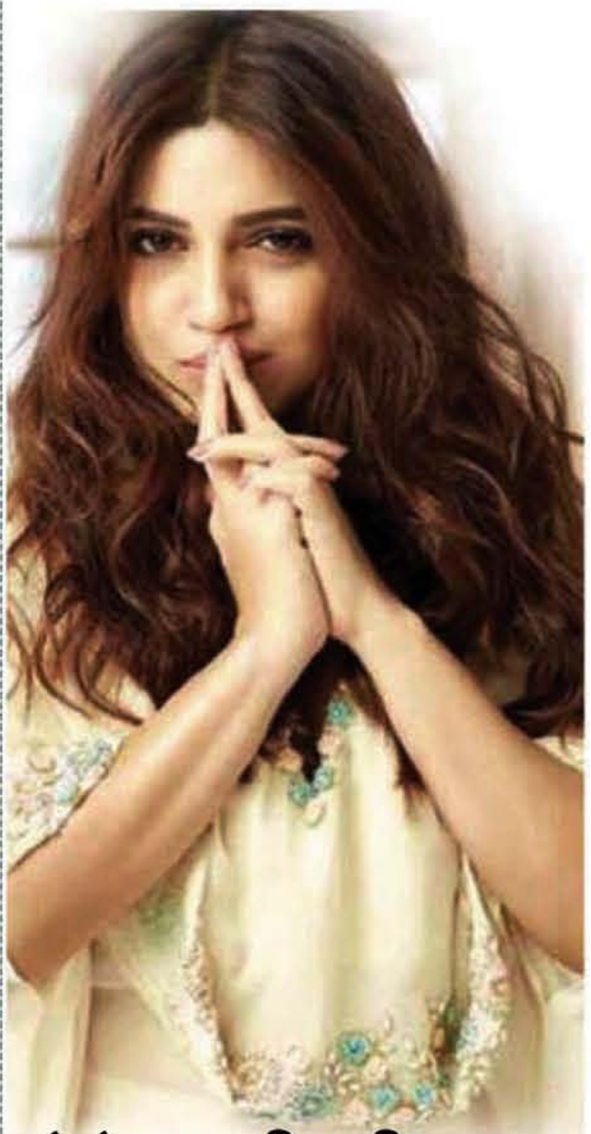

मैंने कभी भी एक जैसा रोल नहीं निभाया

भूमि पेडनेकर की फिल्म मेरे हस्बैंड कर बीवी रिलीज हो गई है। इस फिल्म में उनके साथ अर्जुन कपूर और रकुल प्रीत सिंह भी लीड रोल में हैं। अब भूमि ने एक इंटरव्यू में कहा... मैंने कभी एक ही तरह की महिला का किरदार नहीं निभाया। मैंने हमें एक अलग बोली अपनाई है। अपनी फिल्मों के लिए मेरी भाषा पर पकड़ और नियंत्रण बहुत अच्छा है, इसलिए मुझे नहीं लगता कि मैं कभी एक तय खांचे में फिट रही हूं। ईमानदारी से कहूं तो मैं इस डर से काम के लिए ना नहीं करने वाली कि मुझे एक निश्चित किरदार के साथ सीमित कर दिया जाएगा। मैं इसकी चिंता नहीं करती। मैं बहुत खुशनसीब हूं कि पिछले 10 सालों में मुझे अलग-अलग काम करने का अवसर मिला है। मुझे अपने काम पर बहुत गर्व है। मैं जानती हूं कि महिलाएं हमेशा सवालों के कटघरे में रही हैं और रहती हैं।

कैंसर के इलाज के बाद शूटिंग पर लौटने के लिए तैयार शिवा राजकुमार, आरसी 16 पर साझा किया अपडेट

साउथ सुपरस्टार शिवा राजकुमार ने हाल ही में कैंसर से अपनी लड़ाई और कीमोथेरेपी के दौरान फिल्मांकन के दौरान सामना किए गए संघर्षों के बारे में बात की। जब अभिनेता को कैंसर का पता चला था तो उन्हें सर्जरी के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के मियामी कैंसर संस्थान में भर्ती कराया गया था। अभिनेता एक सफल प्रक्रिया से गुजरे और अब वह अपनी आगामी फिल्मों के सेट पर लौटने के लिए तैयार हैं।

डरे हुए थे अभिनेता

हाल ही में शिवा राजकुमार ने बताया कि कैसे उन्होंने कीमोथेरेपी के दौरान काम करना जारी रखा। उन्होंने कहा, जब मुझे पता चला तो मैं डर गया, जैसा कि कोई भी होगा। डर का कारक हमेशा होता है, लेकिन सवाल यह था कि इसके बारे में क्या किया जा सकता है? आपको इसका सामना करना होगा। मैंने केवल एक ही सवाल पूछा कि क्या मैं यह प्रोजेक्ट 45 द मूवी पूरा कर सकता हूं।

इलाज के दौरान काम जारी रखा

उन्होंने आगे बताया, मैं डांस कर्नाटक डांस में जज भी था और अगर मैं कीमो लेता तो मेरे बाल झड़ जाते। मैं थोड़ा चिंतित था। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों ने उन्हें जल्द ही थेरेपी शुरू करने की सलाह दी, लेकिन उन्हें प्रोत्साहित किया और कहा कि वे आवश्यक उपचार के दौरान काम करना जारी रख सकते हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या कीमोथेरेपी के दौरान एक्शन सीन्स की शूटिंग के दौरान उन्हें दर्द का अनुभव हुआ तो शिवा राजकुमार ने कहा, मैं थका हुआ रहता था। मैं कीमो सेशन के दो दिन बाद ही शूटिंग के लिए जाता था। जब आप 45 का क्लाइमेक्स देखेंगे तो आप चौंक जाएंगे, यह सोचकर कि शिवन्ना ने ऐसा कैसे किया?... मुझे लगता है कि भगवान ने मुझे इससे बाहर निकलने में मदद की।

अभिनेता ने आगामी फिल्मों पर साझा किया अपडेट

उन्होंने अपने परिवार, फिल्म बिरादरी और अपने प्रशंसकों से मिले समर्थन को भी स्वीकार किया, जिसने उन्हें इस स्थिति से बाहर निकलने में मदद की। साथ ही शिवा राजकुमार ने अपनी अगली फिल्मों पर भी जानकारी साझा की। उन्होंने कहा, मेरी 131वीं फिल्म की 20-25 प्रतिशत शूटिंग हो चुकी है। मुझे अब उस पर काम करना शुरू करना है। मैं राम चरण की फिल्म आरसी 16 में एक स्पेशल परफॉर्मेंस कर रहा हूं। मेरे पास हेमंत के साथ एक फिल्म है। उन्होंने आगे कहा, मैं 3 मार्च से अपनी आगामी फिल्मों की शूटिंग फिर से शुरू करूंगा। मैं 5 मार्च को हैदराबाद में राम चरण की आरसी 16 की टीम में शामिल हो जाऊंगा और 8 मार्च तक शूटिंग करूंगा।

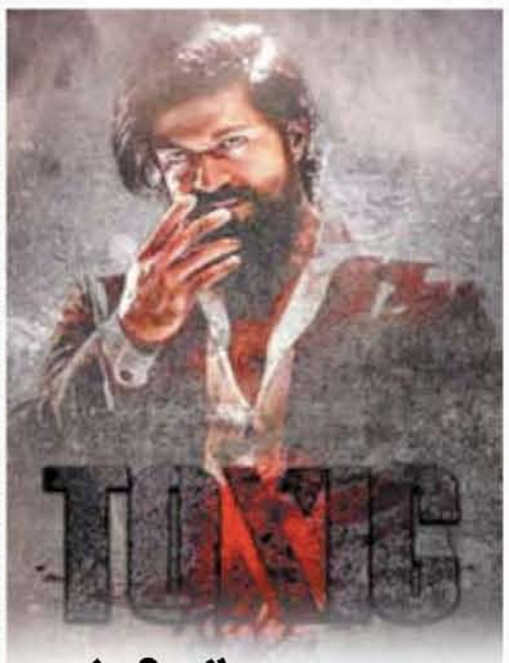

अंग्रेजी और कन्नड़ भाषा में होगी शूट टॉक्सिक

'केजीएफ' फेम एक्टर यश की फिल्म टॉक्सिक पहली ऐसी बड़े पैमाने की भारतीय फिल्म होगी जिसका लेखन और फिल्मांकन अंग्रेजी और भारतीय भाषा कन्नड़ दोनों में किया जाएगा। फिल्म को हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम सहित कई भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं में डब किया जाएगा। यश की 'टॉक्सिक' को निर्देशक गीतू मोहनदास ने लिखा और निर्देशित किया है। वह क्रॉस-कल्चरल स्टोरीटेलिंग को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है। अंग्रेजी और कन्नड़ दोनों में शूट की गई इस फिल्म का उद्देश्य विश्व स्तर पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराना है। कन्नड़ भारतीय दर्शकों को बारीकियों से समझती है, जबकि अंग्रेजी दुनिया भर में इसकी पहुंच सुनिश्चित करती है। फिल्म को लेकर इसकी निर्देशक गीतू मोहनदास कहती हैं, टॉक्सिक के लिए हमारा विजन एक ऐसी कहानी तैयार करना था, जो भारत और वैश्विक स्तर पर दर्शकों के साथ तालमेल बिठा सके। हमने कन्नड़ और अंग्रेजी दोनों में कहानी की बारीकियों को पकड़ने का प्रयास किया है, जिससे अलग-अलग भाषा और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के दर्शकों के लिए एक प्रामाणिक मिल सके। टॉक्सिक कलात्मक दृष्टि और व्यावसायिक कहानी कहने की सटीकता रखती है। इसे दुनिया भर के दिलों और दिमागों से जुड़ने के लिए डिजाइन किया गया है।

मेकर्स को पठान का प्रीक्वल बनाना चाहिए

जॉन अब्राहम इन दिनों अपनी फिल्म डिप्लौमेट को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में जॉन ने असल डिप्लौमेट रहे जेपी सिंह का रोल किया है। फिल्म की कहानी पाकिस्तानी में फंसी, भारत की एक बेटी को सुरक्षित घर वापस लाने की है। इस फिल्म को लेकर जॉन खुश हैं। साथ ही वह चाहते हैं कि प्रोड्यूसर आदित्य चोपड़ा फिल्म पठान का प्रीक्वल भी बनाएं। एक इंटरव्यू में एक्टर जॉन अब्राहम कहते हैं... मैं किसी फैंचाइज फिल्म का हिस्सा तभी बनता हूं, जब उसमें मेरा किरदार खास होता है। जैसे फिल्म पठान में जिम का मेरा रोल बहुत ही कूल, स्पेशल था। आदित्य चोपड़ा को पठान का प्रीक्वल बनाना ही चाहिए। इसमें मेरे किरदार जिम की बैंक स्टोरी क्या है, इसे दिखाया जा सकता है। उम्मीद है कि हम इस फिल्म का प्रीक्वल करेंगे। पठान में जॉन अब्राहम विलेन के रोल में थे, इस किरदार में कई लेयर्स देखी गईं। जॉन फिल्म डिप्लौमेट के अलावा कुछ और फिल्मों में भी अभिनय कर रहे हैं। इसमें तेहरान और तारिक जैसी फिल्में भी शामिल हैं। इन फिल्मों से जॉन बतौर प्रोड्यूसर भी जुड़े हुए हैं।

मैं स्मिता पाटिल का बोया हुआ एक छोटा सा पेड़ हूं

इन दिनों अपनी वेब सीरीज ऊप्स! अब क्या? को लेकर चर्चा बटोर रहीं सोनाली थिएटर से लेकर मराठी सिनेमा, हिंदी फिल्मों से लेकर ओटीटी, हर जगह सक्रिय हैं। ऐसे में सोनाली से विविध पहलुओं पर की खास बातचीत -

आपने महज 26 साल की उम्र में फिल्म मिशन कश्मीर में रितिक रोशन की मां का रोल किया था, जबकि करियर के शुरुआत में ही दायरा जैसी बोल्ड फिल्म के हां कहना भी हिम्मत का काम है। यह हिम्मत कहां से लाती हैं?

निश्चित तौर पर यह साहसी काम है। मिशन कश्मीर मेरी पहली बड़ी कमर्शल फिल्म थी, जिसमें मैं एक मां थी। अभी ऊप्स ! अब क्या? में भी मैं एक मां हूं, पर मेरे बच्चे छोटे होते जा रहे हैं (हंसती हैं)। मिशन कश्मीर में बेटा बड़ा था, जबकि आज 25 साल बाद इस सीरीज में बच्ची छोटी है। ये इंडस्ट्री का कॉम्प्लिमेंट है मेरे लिए कि वे मुझे अलग-अलग रोल में कुबूल कर रहे हैं, क्योंकि हम देखते-सुनते आए हैं कि आप पर एक टैग लग जाता है, तो फिर वैसा ही काम मिलता है, पर मैं अलग-अलग भाषाओं, अलग-अलग जॉनर में लगातार काम करती रही, क्योंकि विधु वनोद चोपड़ा, फरहान अख्तर, राम गोपाल वर्मा जैसे निर्देशकों ने मुझ पर भरोसा दिखाया। इसलिए लगा कि मुझे क्यों डरना चाहिए। अगर मैं जब्बार पटेल के साथ मुक्ता या डॉक्टर अंबेडकर जैसी फिल्में नहीं करती तो मुझे देश की सोशियो पॉलिटिकल सिचुएशन समझ ही नहीं आती। जब आप काबिल लोगों के साथ काम करते हैं, तो आपकी सोच बड़ी होती है। दायरा ने मुझे सिखाया कि असल मर्दानगी क्या होती है? एक औरत होना क्या होता है? तो जो स्कूल और कॉलेज ने मुझे नहीं सिखाया, वह फिल्मों ने सिखाया है।

सीरीज में आपका ऑनस्क्रीन मां अपरा मेहता और बेटी श्वेता बसु के साथ जो रिश्ता दिखाया गया है, वह बहुत ही खूबसूरत है। निजी जिंदगी में आपका अपनी मां और बेटी के साथ कैसा रिश्ता है?

मेरी मां जिस तरह की इंसान हैं, मैं उनकी बहुत बड़ी फैन हूं। मैं बहुत ही निम्न मध्यमवर्गीय परिवार से हूं। हमारे लिए हमारे संस्कार सबसे महत्वपूर्ण हैं। मेरी मां ने जो मूल्य हमें सिखाए कि किसी को ठेस ना पहुंचाओ, वक्त की कद्र करो और दुनिया में सबसे बड़ी कमाई अच्छा रिश्ता है, वे अब भी बरकरार हैं। मेरी मां बहुत मजेदार हैं। उनको किस्से सुनाना, लोगों को हंसाना अच्छा लगता है। उनकी तबीयत अभी थोड़ी ठीक नहीं है, फिर भी हमेशा हंसती रहती हैं। वहीं, मेरी बेटी कावेरी उन्हीं का वर्जन है। बहुत क्रिएटिव है, पोएटिक है। वह 13 साल की है, मगर मुझे अच्छा लगता है कि वह काफी मासूम है। वरना उसकी उम्र के बच्चों को मैं देखती हूं कि वे अपनी उम्र से कहीं ज्यादा मैच्योर हैं। वह सेंसिटिव है। आसपास वाले उसे नेचर लवर कावेरी बोलते हैं। मैं भी उसे यह आजादी देती हूं कि उसे जो पसंद है वो करे। जैसे, मेरी सोसायटी में बहुत से बच्चे स्केट्स करते हैं, वह नहीं करती है, तो मैं जबरदस्ती नहीं करती। जरूरी नहीं कि हर बच्चा एक रेस में दौड़े।

कई बार आपकी तुलना महान स्मिता पाटिल से भी होती है। आपको स्मिता पाटिल सम्मान से भी नवाजा गया है। इसे कितनी जिम्मेदारी से लेती हैं?

जब शुरू में मैंने यह सुना तो सातवें आसमान में पहुंच गई थी। मैं स्मिता पाटिल की बहनों से मिली थी और उनकी आंखों में जब यह बात देखी तो खुशी हुई। मगर बाद में लगा कि लोग क्या बोल रहे हैं। मेरी स्टाइल अलग है। आपको एक किस्सा सुनाती हूं। मेरी दिल चाहता है रिलीज हो गई थी। हर तरफ फिल्म की चर्चा थी। हमारा एक बड़ा इवेंट था। वहीं, मेधा पाटकर एक नाटक के लिए आने वाली थीं। मैं मेधा जी से मिली, उन्हें कहा कि आपकी बड़ी प्रशंसक हूं। उन्होंने मुझे गले लगाया और पूछा-आपका नाम? मैं दंग रह गई कि इन्होंने मुझे पहचाना नहीं। मुझे लग रहा था कि मुझे तो सब जान चुके हैं, दिल चाहता है के बाद। बाद में मैंने एक लेख लिखा। असल में, स्मिता पाटिल मेरे स्कूल में आई थीं। मैंने स्मिता जी के साथ मिलकर एक पेड़ लगाया था, तो मैंने लिखा- मैं एक छोटा सा पेड़ हूं, जो स्मिता ताई ने बोया है। इसलिए, मैं बहुत कृतज्ञता से इस कॉम्प्लिमेंट को स्वीकार करती हूं।

सीरीज में ऐसी ऊप्स हैं, जब हालात किसी के कंट्रोल में नहीं होते। आपके साथ कभी ऐसा उप्स मोमेंट हुआ है?

सिंघम की शूटिंग के दौरान हुआ था। मेरे हिस्से का शूट खत्म हो गया था। मैं प्रेग्नेंट थी तो सबने बधाई दी। फिर 4-5 महीने बाद फोन आया कि सोनाली तुम्हें एक सीन करना पड़ेगा, क्योंकि सिंघम की कहानी तुमसे शुरू होती है तो आखिर में एक सीन में तुम्हारा रहना जरूरी है। मैंने कहा कि मैं तो प्रेग्नेंट हूं, तो सबने कहा कि अरे हां, तुमने बताया था। कितने महीने हुए, तो मैंने कहा कि मैं प्रेग्नेंट दिख रही हूं। साढ़े छह महीने हो चुके थे, तो उन्होंने कहा कि कोई नहीं, मिड शॉट ले लेंगे, डार्क कलर दे देंगे पर जब मैं सेट पर गई तो रोहित सर और अजय दोनों खड़े हो गए कि फिल्म की शुरुआत होती है कि अजय एक विधवा के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं और फिल्म के अंत में वो विधवा प्रेग्नेंट है। मेरे लिए वह बड़ा ऊप्स मोमेंट था।

एक्सपोर्ट हब के निर्माण में वर्क फोर्स बढ़ायें : मुख्य सचिव

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में नोएडा इंटरनैशनल एयरपोर्ट जेवर में एक्सपोर्ट हब स्थापित करने के सम्बन्ध में इन्नोवा फूड पार्क, वर्ल्ड बैंक, एआई सैट्स, कन्सेशनायर और नायल के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। मुख्य सचिव ने हॉर्टिकल्चर आधारित एक्सपोर्ट हब बनाने और इसके फाइनेंसियल मॉडल बनाने के लिए सभी सम्बंधित को समन्वय करने के निर्देश दिए।

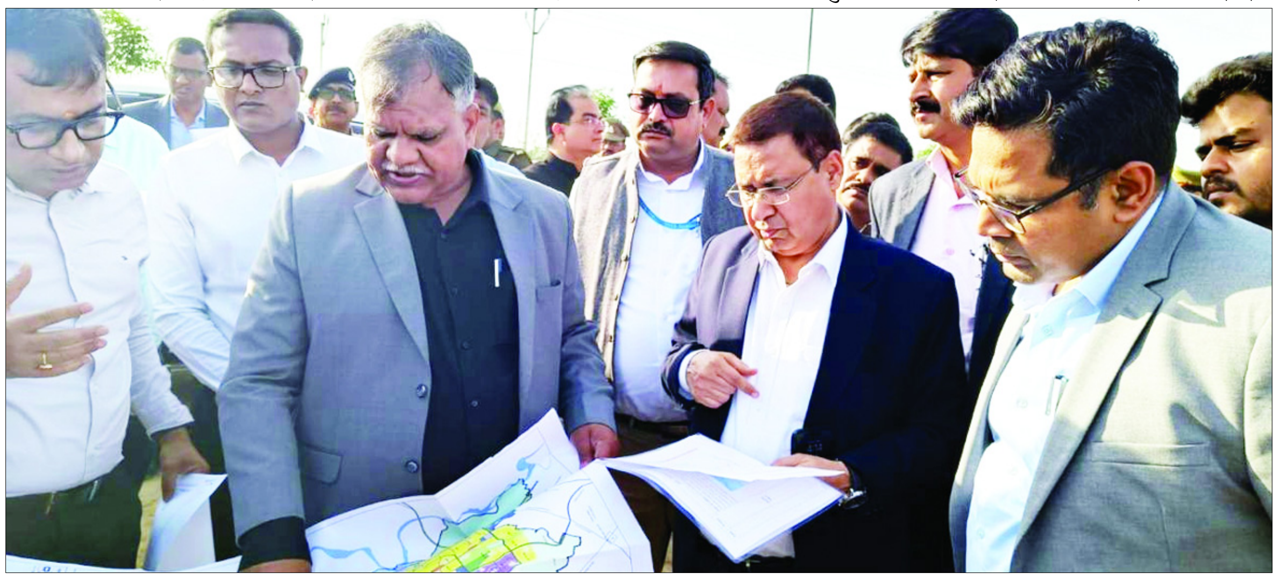

नायल के सीईओ डॉ. अरुण वीर सिंह ने एक्सपोर्ट हब के लिए गामा रेडिएशन के लिए भूमि उपलब्ध कराने का प्रस्ताव दिया। मुख्य सचिव ने कनेक्टिविटी और यूटिलिटीज के सम्बन्ध में समीक्षा की। नायल के सीईओ डॉ अरुण वीर सिंह और नोडल ऑफिसर शैलेन्द्र कुमार भाटिया ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से कनेक्टिविटी के परियोजनाओं की प्रगति से अवगत कराया।

मुख्य सचिव ने एटीसी बिल्डिंग, टर्मिनल बिल्डिंग, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का स्थलीय निरिक्षण किया। मुख्य सचिव ने टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड को कार्य में वर्क फोर्स बढाकर गति लाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने यमुना एक्सप्रेस से जेवर एयरपोर्ट को जोड़ने वाले 8 लेन के एक्सप्रेस वे और इंटरचेंज का स्थलीय निरिक्षण किया गया।

एनएचएआई के रीजनल अधिकारी मो सफी ने अवगत कराया की इसकी कनेक्टिविटी पूर्ण हो चुकी है तथा ऑपरेशन के लिए तैयार है और नोडल अधिकारी शैलेन्द्र भाटिया ने अवगत कराया की इसे बनाने में नायल के अंश धारको ने 486 करोड़ का व्यय किया है और इसकी कार्यदायी संस्था एनएचएआई है। मुख्य सचिव ने 30 मीटर नार्थ ईस्ट कनेक्टिविटी, वीआईपी एग्जिट, 60 मीटर सर्विस रोड और हाइड्रो अब्स्ट्रक्शन वेल से जलापूर्ति की परियोजनाओं का भी स्थलीय निरिक्षण किया। स्थलीय निरिक्षण के समय नोडल अधिकारी शैलेन्द्र भाटिया ने सभी परियोजनाओं के संबंध में और प्रगति से अवगत कराया। बैठक और निरिक्षण में मंडलायुक्त मेरठ, जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मनीष कुमार वर्मा, सीईओ श्लेमेन क्रिस्टोफ, सीओओ किरण जैन, प्रोजेक्ट हेड दिनेश जम्वाल आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

शनिवार व रविवार को खुलेगा उप निबंधन कार्यालय

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देश पर सहायक महानिरीक्षक

निबंधन प्रथम बी0एस0 वर्मा एवं सहायक महानिरीक्षक निबंधन द्वितीय ब्रिजेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि अगामी 8 व 9 मार्च दिन शनिवार व रविवार के अवकाश को भी जनपद गौतमबुद्ध नगर के समस्त उप निबंधक कार्यालय खुले रहेंगे एवं सामान्य दिनों के भांति लेख पत्रों के पंजीकरण का कार्य किया जाएगा।

सहायक महानिरीक्षक निबंधन ने समस्त उप निबंधक को निर्देशित किया है कि अपने क्षेत्राधिकार के अंतर्गत अधिवक्ता/संघ/बैनामा लेखक/स्टांप विक्रेता एवं जन सामान्य को उक्त की जानकारी देते हुए समस्त आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित करें।

फागुन महोत्सव 7 मार्च को, बांटे गए निमंत्रण

नोएडा (चेतना मंच)। होली जैसे-जैसे नजदीक आ रही है शहरवासियों पर उसका रंग भी चढ़ने लगा है। आगामी 7 मार्च (शुक्रवार) को श्री श्याम सेवक परिवार द्वारा आयोजित होने वाले फाल्गुन महोत्सव के लिए गौतमबुद्धनगर के सांसद डॉ. महेश शर्मा, जिलाधिकारी मनीष वर्मा, GST कमिशनर श्रीमती चाँदनी सिंह, नोएडा DCP राम बदन सिंह व एसीपी प्रवीण कुमार को आयोजन समिति के सदस्यों ने निमंत्रण दिया है।

प्रदेश अध्यक्ष उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल विकास जैन ने बताया कि 7 मार्च को श्याम बाबा का भव्य फागुन महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें पूरे देश से विश्व विख्यात भजन कलाकार शीतल पाण्डेय, मध्य प्रदेश से अनुष्का और दिल्ली से साहिल सांवरा अपने भजनों की प्रस्तुति देंगे। बाबा के भव्य दरबार को भव्य रूप से सजाया जाएगा व कमल के फूल में बाबा को सजाया जाएगा। कलकत्ता का सिंगार, 56 भोग, बाबा का निशान यात्रा और फूलों की होली सभी को मोहित कर देगी। जानकारी देते हुए बताया गया कि निमंत्रण पत्र देने के समय विकास जैन, निखिल अग्रवाल, सचिन गोयल, अमित गोयल, रवि शर्मा, आशीष गोयल व अन्य पदाधिकारी सम्मिलित हुए।

आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम शुरू

नोएडा (चेतना मंच)। 'गौतमबुद्धनगर में सात दिवसीय ट्राइबल यूथ एक्सचेंज कार्यक्रम में आदिवासी युवा देखेंगे नया भारत, सीखेंगे आत्मनिर्भर बनने के गुर' की परिकल्पना साकार होती है। इसी विचार को केंद्र में रखते हुए नेहरू युवा केंद्र संगठन गृह मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में नेहरू युवा केंद्र गौतमबुद्धनगर द्वारा 16वें आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम 8 मार्च 2025 तक नोएडा कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन धूम मानिकपुर दादरी में आयोजित किया जा रहा है।

नेहरू युवा केंद्र गौतमबुद्धनगर की जिला युवा अधिकारी स्निग्धा सिंह ने बताया कि कार्यक्रम के द्वितीय दिवस के अवसर पर कार्यक्रम में आए अतिथियों में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी डॉ उदित नारायण द्वारा युवाओं को यातायात के नियमों का पालन करने संबंधी सभी नियमों

की विस्तृत जानकारी दी गई।

इससे पहले क्षेत्रीय निदेशक नेहरू युवा केंद्र संगठन लखनऊ महेंद्र सिंह सिसोदिया द्वारा कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया तथा युवाओं को नेतृत्व विकास एवं भविष्य में आने वाली चुनौतियों के बारे में विस्तार से बताया गया। डॉ आशुतोष राय प्रिंसिपल एनसीपीई कॉलेज द्वारा एआई से होने वाले फायदे और नुकसान के बारे मे विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में युवाओं द्वारा खेलकूद प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया गया। अंत में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सभी 6 जनपदों के प्रतिभागियों ने भाग लेकर सभी का मन मोह लिया।

'एमिटी में यूथ फेस्टीवल' भारतीय सांस्कृतिक की दिखी झलक

नोएडा (चेतना मंच)। एमिटी विश्वविद्यालय में भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा 38वें एआईयू इंटर यूनिवर्सिटी नेशनल यूथ फेस्टीवल "एमिटी उत्सव 2025" का आयोजन 7 मार्च 2025 तक किया जा रहा है। इस उत्सव में संगीत, नृत्य, रंगमंच, साहित्यिक कलाएँ और ललित कलाएँ आदि भागो में प्रतियोगितायें होगी और यह भव्य आयोजन छात्रों को भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाते हुए अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक जीवंत मंच प्रदान करेगा। यूथ फेस्टीवल के मौके पर प्रतिभागियों द्वारा एक भव्य सांस्कृतिक रैली भी निकाली गई जिसको एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला और भारतीय विश्वविद्यालय संघ की अतिरिक्त सचिव डा ममता रानी अग्रवाल द्वारा सांस्कृतिक रैली को झंडा लहरा कर शुरू किया गया।

एमिटी में आयोजित 38वें एआईयू इंटर यूनिवर्सिटी नेशनल यूथ फेस्टीवल "एमिटी उत्सव 2025" के अंर्तगत पांच प्रमुख श्रेणियों में 28 प्रतियोगिताएं होंगी, जिनमें लगभग 148 विश्वविद्यालयों 2500 प्रतिभागी भाग लेंगे, जिन्होंने क्षेत्रीय प्रतियोगिताओं के माध्यम से अर्हता प्राप्त की है। विदित हो कि भारत भर के लगभग 1,000 विश्वविद्यालयों को 08 क्षेत्रों में विभाजित किया गया है, अर्थात मध्य, दक्षिण-पूर्व, दक्षिण, पश्चिम, पूर्व, उत्तर-पूर्व, उत्तर और उत्तर-पश्चिम क्षेत्र। क्षेत्रवार प्रतियोगिताएँ अलग-अलग विश्वविद्यालयों द्वारा आयोजित की जाती हैं और इन क्षेत्रों के विजेता ग्रैंड फिनाले में पहुँचते हैं, जहाँ वे चौंपियनशिप ट्रॉफी के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं। इस वर्ष इस नेशनल यूथ फेस्टीवल के ग्रैड फिनाले का आयोजन एमिटी विश्वविद्यालय में किया जा रहा है।

इस 38वें एआईयू इंटर यूनिवर्सिटी नेशनल यूथ फेस्टीवल का शुभारंभ प्रख्यात कुचिपुड़ी कलाकार पद्मश्री डा राजा रेड्डी एवं श्रीमती राधा रेड्डी और प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना पद्मश्री श्रीमती कमलिनी अस्थाना और नलिनी अस्थाना द्वारा किया गया।